भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्

ICHR

वार्षिक विवरण

1980-81

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद

वार्षिक रिपोर्ट : १९८०–८१

I

१.०२ भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की यह वित्तीय वर्ष १९८०-८१ के लिए नवीं वार्षिक रिपोर्ट है। परिषद एक स्वायत्त निकाय है जिसकी स्थापना भारत सरकार ने सन् १९७२ में की थी। इसके २७ सदस्य हैं : एक अध्यक्ष, १८ इतिहासकार और ८ पदेन-सदस्य। ३१ मार्च, १९८१ की स्थिति के अनुसार परिषद का गठन परिशिष्ट I में दिया गया है।

II

बजट

२.०२ आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद को कुल ३३.७१ लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ, जिसमें २०.२१ लाख रुपये योजनेत्तर के अन्तर्गत और ८ लाख रुपये योजनागत के अन्तर्गत तथा ५.५० लाख रुपये विशेष परियोजनाओं के लिए थे। वर्ष के लिए योजनेतर और योजनागत कार्यक्रमों के लिए संशोधित बजट प्राक्कलनों के अन्तर्गत परिषद ने क्रमश: २३.५० लाख रुपये और १६.१३ लाख रुपये की मांग रखी थी। क्योंकि सरकार द्वारा स्वीकृत वास्तविक अनुदान मांग की गई राशि से कम था इसलिए खर्च में कुछ कटौती करना अनिवार्य हो गया। इसके अलावा, परिषद वर्ष के अन्त में अनुवाद परियोजना के लिए ३.४५ लाख रुपये की स्वीकृति की प्रतीक्षा कर रही थी।

III

प्रोन्नयन कार्यकलाप

३.०२ अनुसंधान को प्रोत्साहन देना परिषद का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व है। यह कार्य, अन्यों के अलावा, परिषद की सहायक-अनुदान योजनाओं के जरिए किया जा रहा है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं : (i) अनुसंधान परियोजनाओं की स्वीकृति, (ii) अधिछात्रवृत्तियां प्रदान करना, (iii) अध्ययन / यात्रा /

फुटकर खर्च के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना, (iv) अनुसंधान अध्ययन, स्रोत सामग्री, पत्रिकाएं इत्यादि प्रकाशित करने के लिए आर्थिक सहायता देना, और (v) इतिहासकारों के व्यावसायिक संगठनों को सहायता स्वीकृत करना। पिछले वर्षों की रिपोर्टों में यह बताया जा चुका है कि अनुसंधान प्रोन्नयन के लिए इन योजनाओं को तैयार करने में परिषद ने इतिहास के कार्य क्षेत्र को एक व्यापक आधार पर लिया है ताकि उत्तरोत्तर ऐतिहासिक युगों में सामाजिक और सांस्कृतिक घटनाओं को इसके कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत शामिल किया जा सके।

३.०२ नीचे दिए गए तात्थिक ब्योरों और अन्त में संलग्न परिशिष्टों से यह देखा जा सकता है कि वर्ष के दौरान परिषद के प्रोन्नयन कार्यकलापों में अन्य वर्षों की अपेक्षा कहीं अधिक वृद्धि हुई। वर्ष के दौरान स्वीकृत अनुसंधान प्रस्तावों की संख्या किसी भी पिछले वर्ष के दौरान स्वीकृत प्रस्तावों की तुलना में अधिक थी। परिषद की स्थापना से लेकर अब तक प्रत्येक वर्ष स्वीकृत किए गए अनुदानों का योजनावार ब्योरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

वर्ष	अनुसंधान परियोजनाएं	अधिछात्र-वृत्तियां	अध्ययन/यात्रा/ फुटकर अनुदान	कालम २,३ और ४ का जोड़
१	२	३	४	५
१९७२–७३	१९	८	१	२८
१९७३–७४	८	११	२	२१
१९७४–७५	७	१४	३	२४
१९७५–७६	१८	१२	१५	४५
१९७६–७७	२१	३७	८२	१४०
१९७७–७८	५	२१	१५९	१८५
१९७८–७९	२२	३१	११५	१६८
१९७९–८०	१८	४४	१३८	२००
१९८०–८१	४९	८६	१८३	३१८
८ वर्ष	१६७	२६४	६९८	११२९

वर्ष के दौरान बड़ी संख्या में स्वीकृत परियोजनाओं, अधिछात्रवृत्तियों और अध्ययन अनुदानों की संख्या देश में इतिहास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य की बढ़ती

हुई मात्रा का सूचक है। परिशिष्ट II में दिए गए ब्योरों सेयह देखा जा सकता है कि जिन अध्येताओं की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं उनमे से काफी अध्येता या तो होनहार युवा अध्येता हैं अथवा वे हैं जो अपने व्यावसायिक जीवन के मध्य स्तर पर हैं और उनमें भावी विकास की पर्याप्त क्षमताएं हैं। इसी प्रकार बड़ी संख्या में अधिछात्रवृत्ति प्राप्तकर्त्ता युवा भी हैं। यद्यपि अनेक योग्य वरिष्ठ अध्येताओं को आवश्यक सहायता प्रदान की गई तथापि पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी प्रतिभाशाली युवा अध्येताओं को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

३.०३ रहन-सहन की लागत, उत्पादन की लागत में वृद्धि तथा अधिछात्रवृत्ति प्रदान करने वाले कुछ अन्य संगठनों द्वारा दरों में की गई बढ़ोत्तरी को ध्यान में रखते हुए, परिषद ने वर्ष के दौरान अधिछात्रवृत्ति की दरों और प्रकाशन सहायता में वृद्धि करने का निर्णय किया। एक विनिबंध/शोध ग्रंथ के लिए प्रकाशन सहायता की अधिकतम सीमा ५,००० रुपये से बढ़ाकर ८,००० रु० करदी गई है। अधिछात्रवृत्ति और अध्ययन अनुदान की संशोधित दरें इस प्रकार हैं :

(१)	कनिष्ठ अधिछात्रवृत्ति	६००.०० रु० प्र० मास
(२)	उत्तर-डाक्टोरल अधिछात्रवृत्ति	८००.०० रु० प्र० मास
(३)	वरिष्ठ अधिछात्रवृत्ति	१०००.०० रु० से २००० रु० प्रति मास
(४)	अध्ययन अनुदान	५०००.०० रु०

३.०५ वर्ष के दौरान प्रकाशन के लिए सहायता बढ़ाकर ४२ अध्येताओं। संस्थाओं तक कर दी गई। इनकी सूची परिशिष्ट VI में दी गई है। परिषद द्वारा पिछले वर्षों के दौरान मंजूर किए गए अनुदानों से वर्ष के दौरान ३० अध्येता। संस्थाएं अपनी पुस्तकें/पत्रिकाएं प्रकाशित कर सकीं।

४.०४ सेमिनार, संगोष्ठियां, सम्मेलन इत्यादि आयोजित करने के लिए इतिहासकारों के व्यावसायिक संगठनों को ३४ अनुदान स्वीकृत किए गए। इनके ब्योरे परिशिष्ट VII में दिए गए हैं।

IV

स्रोतों का संकलन

३.०१ परिषद का एक कार्य ऐसी स्रोत सामग्री का संकलन और प्रकाशन करना है जिससे ऐतिहासिक अनुसंधान और लेखन सुकर हो सके। इस उद्देश्य की पूर्ति

के लिए परिषद ने एक विस्तृत कार्यक्रम शुरू किया है जिसके अन्तर्गत सभी युगों के भारतीय इतिहास और विभिन्न प्रकार के स्रोतों से संबंधित स्रोतों के अनेक खण्ड प्रकाशित करने की परिकल्पना है ।

४.०२ भारतीय इतिहास के प्राचीन काल से सम्बंधित स्रोत खंडों में शिलालेखों के पाठों के संकलन और विषय-वस्तु का सार देते हुए शिलालेखों के संबंध में टिप्पणियां अथवा सूचियां शामिल हैं। पिछले वर्षों की रिपोर्टों मे यह कहा गया था कि शिलालेखों के पाठों के १६ खण्डों और शिलालेखों की सूचियों के १५ खण्डों का कार्य आरम्भ किया गया है और शिलालेखों के पाठों के ४ खण्ड तथा शिलालेखों की सूचियों के १२ खण्ड प्राप्त हो चुके हैं। वर्ष के दौरान शिलालेखों की सूचियों के दो और खण्ड प्राप्त हुए जो प्राफेसर टी० वी० महालिंगम द्वारा तैयार किए गए थे। ये हैं :

(१) तमिलनाडु और केरल के शिलालेखों की एक स्थलाकृतिक सूची, खण्ड ८ : तिरुचिरापल्ली जिला ।

(२) तमिलनाडु और केरल के शिलालेखों की एक स्थलाकृतिक सूची, खण्ड ९ : तिरुनेलवली जिला ।

शिलालेखों की स्थलाकृतिक सूचियां तैयार करने की परियोजना का कार्यकाल ३१ मार्च १९८१ को समाप्त हो गया और केरल व पाण्डिचेरी के संबंध में इस श्रृंखला का अन्तिम और दसवां-खण्ड पूरा हो गया। जिला चेंगलपुट के संबंध में इस श्रृंखला का पहला खण्ड वर्ष के दौरान छपने के लिए भेजा गया। शिलालेखों के पाठ संकलित करने का कार्य लगभग पूरा होने वाला है।

परिषद का प्रस्ताव प्राचीन भारतीय इतिहास से संबंधित स्रोत कार्यक्रम को व्यापक बनाने तथा निम्नलिखित कार्य शुरू करने का है : (१) ए. डी. १२०० से पहले के युग की संस्कृत व अन्य भारतीय भाषाओं के पाठों के समालोचनात्मक संस्करण/अनुवाद तैयार करना, और (२) भारत में विभिन्न संग्रहालयों के सिक्कों की सूची तैयार करना। इनके संबंध में ब्योरे तैयार किये जा रहे हैं।

४.०३ परिषद के मध्यकालीन स्रोतों के संकलन कार्यक्रम में निम्नलिखित शामिल है : पाठों के सटिप्पण और समालोचनात्मक संस्करण तैयार करना; महत्वपूर्ण रचनाओं का अंग्रेजी अथवा हिन्दी में अनुवाद ; ऐतिहासिक महत्व के प्रलेखों का कलेण्डर और सूची-पत्र तैयार करना, चुने हुए प्रलेखों आदि का संकलन ।

१९७९-८० तक शुरू और पूरे किए गए कार्यों के सम्बन्ध में ब्योरे पिछले वर्षों की वार्षिक रिपोर्टों में दिए जा चुके हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान निम्न-लिखित कार्य शुरू किए गए :

(१) 'राव उदयभान चम्पावत री ख्यात' डॉ० रघुबीर सिंह द्वारा

(२) 'मराठा इतिहास के प्रकाशित स्रोतों का एक सर्वेक्षण और मराठी प्रलेखों का एक सूचीपत्र तैयार करना : १६००–१८१८ : ' डा० वी० टी० गुने द्वारा।

(३) मुगल भारत में संगीत का इतिहास, जिसमें मोहम्मद रजा द्वारा नगमत-अल-असाफी में उसूल, क्लावंत द्वारा रागदर्शन, खुशहल (फारसी में), रागमंजरी और राग माला (संस्कृत में) का सम्पादन, समाकलन और समालोचनात्मक व तुलनात्मक अध्ययन शामिल है। यह नवाब सईफ खान का मन कुतुहल बनाम राग दर्पण, मिर्जा रोशन जमीर द्वारा तर्जुमा-ए-किताब पारिजातका और मिर्जा खान द्वारा तुहफत-उलहिन्द के अतिरिक्त है: श्री शाहब सरमादी द्वारा (यह इस विषय पर विद्वान की पिछली रचना के क्रम में है)।

(४) 'दीवान-ए-आफताब का एक समालोचनात्मक संस्करण': श्री एफ०ए० हाशमी द्वारा।

आलोच्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित दो खण्डों का संकलन कार्य पूरा किया गया और पांडुलिपियां प्राप्त हुई:

(१) 'सिराज-अल-हादिया: सटिप्पण पाठ और प्रस्तावना' काजी सज्जाद हुसैन द्वारा।

जलालुद्दीन बुखारी द्वारा लिखित यह पाठ सूफीवाद के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण कृति है। इसमें मध्यकालीन भारतके सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास पर प्रकाश डाला गया है। पाठ में फारसी में लगभग ३०० पृष्ठ हैं।

(२) 'भारत में डच प्रभाव, १६१७-१६२३: भारत में संबंधित डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी प्रलेखों का संकलन, जो अलजेमीन रीजकसर-चीफ दि हेग, हालेण्ड में परिरक्षित थे' : डा० ओम प्रकाश द्वारा (इस संकलन में २५२ प्रलेख शामिल हैं) जिनका सम्पादन, टिप्पण और अनुवाद

किया गया है। पांण्डुलिपि में ३२५ पृष्ठ हैं और वर्ष के अन्त में इसे प्रकाशन के लिए तैयार किया जा रहा था।

४.०४ आधुनिक काल से संबंधित संकलन के अन्तर्गत स्रोत खण्डों में राष्ट्रीय आन्दोलन, कृषक आन्दोलन, ट्रेड यूनियन आन्दोलन, आर्थिक तथा सांख्यिकी आंकड़े, बिहार के जमींनदारी अभिलेख, और स्वतंत्रता के लिए भारतीय संग्राम में विदेश में क्रांतिकारियों की भूमिका का क्रमवार उल्लेख किया गया है। १९७९-८० तक प्राप्त खण्डों के सम्बन्ध में ब्योरा पिछले वर्षों की रिपोर्ट में दिया गया है। आलोच्य वर्ष के दौरान, इस कार्यक्रम में अन्य खण्डों के संकलन का कार्य चल रहा था और निम्नलिखित पांच खण्ड प्राप्त हुए :

(१–२) '१९१४ तक भारत में कृषि आन्दोलन' (२ खण्ड), डा० बी० बी० चौधुरी द्वारा ।

(३–४) 'भारत में जनजातीय अभियान (स्रोतों की एक अनुक्रमणिका सहित)' (२ खण्ड)—डा० बी० बी० चौधरी द्वारा।

(५) 'असहयोग आन्दोलन तक राष्ट्रवादी आन्दोलन के संबंध में स्रोत खण्ड'। प्रौफेसर वी० एन० दत्ता द्वारा (एक खण्ड)

V

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा कार्यान्वित की जा रही कुछ विशेष परियोजनाएं

५.०१ परिषद ने कुछ विशेष परियोजनाएं कार्यान्वित करने का दायित्व संभाला हैं। इनके ब्योरे पिछले वर्षों की रिपोर्टों में दिये गये हैं। १९८०–८१ के दौरान इनमें हुई प्रगति इस प्रकार है :

५.०१ 'टूवर्ड्स फ्रीडम' परियोजना

सन् १९७३ में शुरू की गई यह परियोजना भा० इ० अ० प० के सर्वोपरि पर्यवेक्षण और नियंत्रण के अधीन भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही है। इसके अन्तर्गत १९३७–४७ के दौरान स्वतंत्रता आन्दोलन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के स्रोतों के दस खण्ड संकलित करने की परिकल्पना है। केन्द्रीय और राज्य सरकारों के कार्यालयों में उपलब्ध और परिरक्षित सरकारी अभिलेख तथा अन्य संबंधित सामग्री का संकलन राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा

किया जारहा है और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, निजी और गैर-सरकारी प्रकृति के प्राथमिक और गौण स्रोतों के संग्रह कार्य में लगी है। अभी तक प्रथम तीन खण्डों के लिए पर्याप्त सामग्री एकत्र की जा चुकी है।

परियोजना में कार्यरत शैक्षणिक स्टाफ ने आलोच्य वर्ष के दौरान एम० एस० अणे, आर० एस० देशमुख और डी० पी० मिश्र के निजी कागजातों और बहार हर्ल्ड, कलकत्ता, रीव्यू कांग्रेस सोशलिस्ट, हरिजन, हिन्दू आउटलुक, हितावदा, इण्डियन विटनेस, जस्टिस, नेशनल फ्रन्ट, दि मेल, दि पायनियर, दि स्टेट्समेन (सभी अंग्रेजी), भारत वर्ष और देश (बंगला में), आज, अग्रदूत, आर्य मित्र, पराक्रम, संघर्ष, यू० पी समाचार, विहंगम (सभी हिंदी), खालसा सेवक और कीर्ति लहर (पंजाबी) और अल नजीर, हिन्दुस्तान और सरफराज (उर्दू) जैसे समाचारपत्रों और पत्रिकाओं का निरीक्षण किया। उपरोक्त के अलावा, निम्नलिखित संगठनात्मक कागजातों का भी निरीक्षण किया गया : अखिल भारतीय कांग्रेस समिति, अखिल भारतीय कांग्रेस समाजवादी पार्टी, अखिल भारतीय किसान सभा, छात्र संघ, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस, अखिल भारतीय युवा संघ, भारतीय साम्यवादी पार्टी, फारवर्ड ब्लाक, लीग आफ रेडिकल कांग्रेसमेन और महाकोशल प्रान्तीय कांग्रेस समिति। इनके अतिरिक्त कुछ इश्तहारों और पुस्तिकाओं, जैसे कांग्रेस पत्रिका, महासमुद तहसील आन्दोलन के सम्बन्ध में पुलिस की ज्यादतियां' आर० एस० शुक्ल द्वारा (१९४०) आदि का भी निरीक्षण किया गया।

५.०३ स्वतन्त्रता संघर्ष के दौरान राज्य विधान सभाओं की भूमिका के सम्बन्ध में परियोजना

यह परियोजना, भारतीय आजादी की २५वीं वर्षगांठ के अवसर पर सन् १९७२ में शुरू की गयी थी और इसका उद्देश्य ग्यारह खण्ड तैयार करना है जिनमें प्रत्येक में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक-एक राज्य की विधान सभा द्वारा अदा की गई भूमिका का उल्लेख होगा। यह पहले ही बताया जा चुका है कि उत्तर पश्चिम सीमान्त प्रान्त, असम और उड़ीसा के सम्बन्ध में खण्ड प्रकाशित हो चुके हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान, पंजाब और बंगाल से सम्बन्धित खण्डों की प्रकाशनार्थ जांच की जा रही थी और पंजाब से संबंधित खण्ड छपने के लिए भेजा गया। मद्रास से संबंधित खण्ड को प्रेस के लिए तैयार किया जा रहा था। अन्य खण्ड तैयार करने का कार्य चल रहा था।

५.०४ 'प्रजा मण्डल आन्दोलन परियोजना'

१९७५-७६ में शुरू की गई इस परियोजना ने, जिसका उद्देश्य भारत के स्वतन्त्रता-पूर्व शाही राज्यों में प्रजा मंडल आन्दोलन का व्यापक प्रस्तुतीकरण है, वर्ष १९८०-

८१ के दौरान प्रगति की। इस वर्ष के दौरान निजी कागजातों और सरकारी अभिलेखों से सामग्री एकत्रित की गई।

VI

सेमिनार

६.०१ ऐतिहासिक ज्ञान के प्रोन्नयन और उपयोग के सम्बन्ध में सेमिनार, कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित, और प्रायोजित करने तथा उनके लिए सहायता देने के अपने उद्देश्यों के अनुसरण में परिषद ने वर्ष के दौरान पांच सेमिनार प्रायोजित किये - चण्डीगढ, रांची, पटना, तिरुपति और गोआ में एक-एक और सम्मेलन, सेमिनार तथा संगोष्ठियां आयोजित करने के लिए ३७ संस्थाओं को सहायता प्रदान की। जिन संस्थाओं को ऐसी सहायता दी गयी उनके ब्योरे परिशिष्ट VII में दिये गए हैं।

६.०२ परिषद द्वारा चण्डीगढ में प्रायोजित सेमिनार का विषय था: 'ग्यारहवीं और बारहवीं शताब्दियों के दौरान भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास'। इसका आयोजन (२ से ४ अक्तूबर, १९८१ तक) पंजाब विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग द्वारा किया गया था और प्रोफेसर बी०सी० पाण्डे इसके समन्वयकर्ता थे। इसका उद्घाटन, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर० सी० पाल ने किया था। उदघाटन बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर बी० पी० सिन्हा ने की थी। ९ वरिष्ठ विद्वानों ने चार सत्रों में प्रमुख भाषण दिये। लगभग पचास विद्वानों ने, जिनमें बड़ी संख्या में युवा इतिहासकार शामिल थे, विचार-विमर्श में भाग लिया। प्रमुख भाषणों में ग्यारवीं व बारहवीं शताब्दियों के दौरान उत्तर भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास के किसी न किसी पहलू का उल्लेख किया गया। उद्घाटन और समापन दोनों ही अवसरों पर भा० इ० अ० प० के निदेशक प्रोफेसर बी० आर० ग्रोवर ने परिषद की प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख किया और यह बताया कि इस प्रकार के सेमिनार किस प्रकार से ऐतिहासिक ज्ञान के आदान प्रदान और उपयोग के एक उपयोगी मंच के रूप में कार्य करते हैं।

६.०३ रांची में सेमिनार का आयोजन रांची विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा किया गया था (१२ से १४ नवम्बर १९८०) और प्रोफेसर एस० एम० पटनायक इसके समन्वयकर्ता थे। सेमिनार का विषय था: 'पूर्वी भारत, विशेष रूप से बिहार, बंगाल और उड़ीसा के संदर्भ में, १४वीं शताब्दी के बाद जन-जातीय क्षेत्रों का

सामाजार्थिक इतिहास'। सेमिनार का उद्घाटन बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के इतिहास विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर सीताराम सिंह ने किया था और उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति, डा० आर० सी० बोस ने की थी। १४ वरिष्ठ विद्वानों ने विभिन्न विशिष्ट विषयों पर, जो मुख्य रूप से सेमिनार के विषय से संबन्धित थे, प्रमुख भाषण दिये। लगभग ५० विद्वानों ने विचार विमर्श में भाग लिया, जो मुख्यतः बंगाल, बिहार, और उड़ीसा के थे। चर्चा के लिए एक अपेक्षाकृत उपेक्षित विषय चुनकर तथा इस विषय पर विद्वतापूर्ण विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच उपलब्ध करके सेमिनार युवा विद्वानों के बीच इस विषय के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करने में सफल रहा और उन्हें यह समझने में मदद मिली कि जनजातीय क्षेत्रों के सामाजार्थिक इतिहास का किस प्रकार से अध्ययन किया जाए।

६.०४ पटना में सेमिनार का आयोजन (२० से २२ जनवरी, १९८१ तक) पटना विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग द्वारा किया गया था और प्रोफेसर बी० पी० सिन्हा इसके समन्वयकर्ता थे। सेमिनार का विषय था: 'प्राचीन भारत में टेरीकोट्टाज'। इसका उद्घाटन, भा० इ० अ० प० के सदस्य, प्रोफेसर के० डी० बाजपेयी ने किया था और उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राम अवतार शुक्ल ने की थी। चौबीस वरिष्ठ विद्वानों ने प्राचीन भारतीय टैराकोटा के विभिन्न पहलुओं पर निबन्ध प्रस्तुत किए। लगभग ५० विद्वानों ने, जिनमें बड़ी संख्या में युवा पुरातत्वविद और कला इतिहासकार शामिल थे, चर्चा में भाग लिया।

६.०५ तिरुपति में सेमिनार का आयोजन (३ से ५ फरवरी, १९८१ तक) श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा किया गया था और प्रोफेसर बी० एम० रेड्डी इसके समन्वयकर्ता थे। सेमिनार का विषय था: 'उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में दक्षिण भारत में शैक्षिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन'। सेमिनार का उद्घाटन, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर शर्मा ने किया था। उद्घाटन समारोह के अवसर पर उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में इतिहास के प्रोफेसर सरोजनी रैंगानी ने प्रमुख भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में दक्षिण भारत में शैक्षिक प्रगति के इतिहास और सामाजिक परिवर्तनों पर उसके प्रभाव का विस्तारपूर्वक उल्लेख किया तथा कुछ ऐसे पहलुओं का उल्लेख किया जिनके सम्बन्ध में और अनुसंधान करने की आवश्यकता

है। सेमिनार के विषय के किसी न किसी पहलू से संबंधित बीस निबंध प्रस्तुत किए गए और उन पर चर्चा की गई। ३० आमंत्रित व्यक्तियों के अलावा अनेक स्थानीय विद्वानों ने चर्चा में भाग लिया।

६.०६ गोआ में सेमिनार का आयोजन जेवियर इतिहास अनुसंधान केन्द्र, पणजी ने किया था (२४ से २६ फरवरी १९८१ तक) और डा० टी० आर० डीशूजा इसके समन्वयकर्ता थे। वाइस एडमिरल एम० पी० अवाती की अध्यक्षता में मेरीटाइम हिस्ट्री सोसायटी, बम्बई ने गोआ में नौ सेना केन्द्र के माध्यम से डा० डी० शूजा को अपना सहयोग दिया। सेमिनार का विषय था:'पश्चिमी भारत, समुद्र के विशेष संदर्भ में, का सामाजार्थिक इतिहास: १५००-१९००"। उद्घाटन अवसर पर, भा० इ० अ० प० के अध्यक्ष प्रोफेसर ए० आर० कुलकर्णी ने भा० इ० अ० प० के उद्देश्यों को बताया और ऐतिहासिक अनुसंधान के प्रोत्साहन के लिए इसके द्वारा किये जा रहे कार्य का उल्लेख किया। वाइस एडमिरल एम० पी० अवाती उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि थे, जिन्होंने अपने भाषण में सेमिनार के विषय की सार्थकता का उल्लेख किया और एक संयोजन कड़ी के रूप में समुद्र का जिक्र किया। उसके बाद हुए अकादमिक विचार-विमर्श में ३४ निबंध प्रस्तुत किये गए। ये निबन्ध, सामाजार्थिक स्थितियों, जहाज निर्माण और समुद्र व्यापार, विपणन केन्द्रों और आर्थिक संस्थाओं, समुद्र तथा सामाजिक संस्थाओं से सम्बद्ध थे।

VII

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

भारतीय और विदेशी इतिहासकारों के बीच सम्पर्कों को प्रोत्साहन

७.०१ भारतीय और विदेशी इतिहासकारों के बीच घनिष्ठ सम्पर्कों का विकास करने के लिए परिषद प्रयास करती रही है ताकि अनुभव और अनुसंधान परिणामों का लाभदायक ढंग से उपयोग किया जा सके। १९८०–८१ के दौरान यह कार्य निम्नलिखित के जरिये किया गया :

(१) विदेशों में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय व अन्य सम्मेलनों में भाग लेने के लिए भारतीय इतिहासकारों की सहायता, (२) परिषद की सहायक-अनुदान योजनाओं के अधीन विदेशी विद्वानों को अनुदानों की स्वीकृति, (३) ऐसे भारतीय विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना जिनके विदेशी दौरे उनके अनुसंधान कार्य के लिए आवश्यक थे, और (४) विदेशों के साथ भारत सरकार के सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों में भा० इ० अ० प० द्वारा भाग लेना आदि।

७.०२ अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास विज्ञान समीतियों के तत्वावधान में आयोजित ऐतिहासिक विज्ञानों की पन्द्रहवीं अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस १० से १७ अगस्त १९८० तक बुखारेस्ट, रूमानिया में हुई थी। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, ऐतिहासिक विज्ञानों की अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस, ला-फोली १९०५, चेक्स ब्रेस, सुइसे की एक संस्थागत सदस्य है। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद ने अपने अध्यक्ष प्रोफेसर ए० आर० कुलकर्णी और निदेशक, प्रोफेसर बी०आर० ग्रोवर को अपने शिष्टमण्डल के रूप में भेजा। कांग्रेस में भाग लेने के लिए परिषद ने हेरस भारतीय इतिहास और संस्कृति संस्थान, बम्बई के निदेशक डा० जान कोरेरिओ एफोन्सो का एक ओर का हवाई किराया भी स्वीकृत किया। प्रोफेसर ए० आर० कुलकर्णी ने 'मौखिक इतिहास' पर आयोजित एक सत्र की अध्यक्षता की और एक निबन्ध प्रस्तुत किया। प्रोफेसर बी० आर० ग्रोवर ने एक व्याख्या प्रस्तुत की और विचार विमर्श में भी भाग लिया। डा० जान कोरेरिओ एफान्सो ने भी 'मध्यकाल में पूर्व और पश्चिम के बीच अन्तर-क्रिया' विषयक सत्र में एक निबन्ध प्रस्तुत किया। भा० इ० अ० प० के सदस्य तथा अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास विज्ञान समिति व्यूरो के एक पदेन-सदस्य प्रोफेसर सतीश चन्द्र ने भी कांग्रेस और अकादमिक विचार-विमर्श में भाग लिया।

७.०३ वर्ष के दौरान इतिहासकारों के दो प्रतिनिधिमण्डलों ने—एक अफगानिस्तान से और दूसरा फ्रांस से भारत का दौरा किया। अफगानिस्तान के प्रतिनिधिमण्डल में प्रोफेसर मीर हुसैन शाह और डा० अब्दुल लतीफ जलाली शामिल थे। दोनों को ही, काबुल से दिल्ली का वापसी हवाई किराया, भारत में यात्रा के लिए हवाई किराया और दो सप्ताह के लिए स्थानीय आतिथ्य मंजूर किया गया था। अपने-अपने अनुसंधान विषयों के लिए भारतीय अभिलेखागार, नई दिल्ली से स्रोत सामग्री एकत्र करने के अलावा उन्होंने दिसम्बर १९८० में बम्बई में भारतीय इतिहास कांग्रेस के अधिवेशन में भाग लिया।

फ्रांस के प्रतिनिधिमंडल में प्रोफेसर पिरेरे देयोन, प्रोफेसर मौरिस अयमर्ड, प्रोफेसर गुयबोइस और प्रोफेसर पिरेरे लमईसन शामिल थे। उन्हें भारत में यात्रा के लिए हवाई किराया, स्थानीय आतिथ्य और दैनिक भत्ता मंजूर किया गया। उन्होंने दिसम्बर १९८० में बम्बई में भारतीय इतिहास कांग्रेस में भाग लिया। भारत-फ्रांस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत उनकी उपस्थिति का लाभ उठाते हुए भा० इ० अ० प० ने ७ और ८ जनवरी १९८१ को नई दिल्ली में एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का उद्घाटन प्रोफेसर सतीश चन्द्र ने किया

था। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने जागीरदारी प्रथा और प्रोटोग्रौद्योगीकरण तथा परिवर्तन की समस्याओं के सन्दर्भ में यूरोप और भारत के तुलनात्मक अध्ययन की सार्थकता की आवश्यकता पर जोर दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर श्री आर० एस० शर्मा और नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार ने अधिवेशनों की अध्यक्षता की। निम्नलिखित निबन्ध प्रस्तुत किये गए:

(१) 'प्रोटो-औद्योगीकरण की समस्याएं'
प्रोफेसर पिरेरे देयोन

(२) 'प्रोटो औद्योगीकरण और परिवर्तन'
प्रोफेसर मौरिस अयमर्ड

(३) 'उत्पादन की सामन्तवादी पद्धतिः सामन्तवाद से पूंजीवाद तक संक्रमण'
प्रोफेसर गुय बोइस

(४) 'पश्चिमी यूरोप में परिवार के-मृ-विज्ञान का इतिहास'
प्रोफेसर पिरेरे लमईसन

सेमिनार में लगभग ५० प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रोफेसर एस नुरुल हसन, प्रोफेसर के० ए० निजामी (सदस्य भा० इ० अ० प०) और इतिहास के प्रोफेसर, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ, प्रोफेसर रोमिला थापर, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रोफेसर बी० आर० ग्रोवर, निदेशक, भा० इ० अ० प०, डा० इक्तिदार आलम खान, उच्च अध्ययन केन्द्र, इतिहास विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ, डा० हरबंस मुखिया, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डा० ओम प्रकाश, दिल्ली अर्थशास्त्र स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली तथा अन्य विद्वानों ने विचार विमर्श में भाग लिया। विचार विमर्श के दौरान अपने अकादमिक योगदान में इन विद्वानों ने निबंधों के विषयों के संदर्भ में भारतीय समानताओं का उल्लेख किया।

७.०४ उपरोक्त के अलावा परिषद ने यूरोप के दो इतिहासकारों को सुविधाएं प्रदान की। हिडेलबर्ग विश्वविद्यालय, हिडेलबर्ग के दक्षिण एशियाई संस्थान के प्रोफेसर दायत्मर रोथरमुण्ड को अनुरक्षण तथा प्रासंगिक व्यय के साथ-साथ भारत में यात्रा के लिए हवाई किराया स्वीकृत किया गया। प्रोफेसर रोथरमुण्ड ने दिल्ली, हैदराबाद, मद्रास, मदुरै और कलकत्ता में कुछ विश्वविद्यालयों का दौरा

किया और व्याख्यान दिये। चेकोस्लाविया की विज्ञान अकादमी के प्राच्य संस्थान के डा० जोसेफ कोलमास को प्राग से दिल्ली तक का वापसी हवाई किराया मंजूर किया गया ताकि वह अन्तर्राष्ट्रीय भारतीय संस्कृति अकादमी, नई दिल्ली में उपलब्ध तिब्बती पाण्डुलिपियों का अध्ययन कर सकें। वर्ष के अन्त तक डा० जोसेफ कोलमास ने अनुदान का उपयोग नहीं किया था ।

७.०५ विभिन्न देशों में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों, सम्मेलनों में भाग लेने के लिए निम्नलिखित सात भारतीय विद्वानों को अनुदान स्वीकृत किये गए :

(१) प्रोफेसर के० वी० रमन, मद्रास
(२) डा० बी० एस० शास्त्री, पण्जी
(३) प्रोफेसर उपेन्द्र ठाकुर, बौध्र गया
(४) प्रोफेसर ए० सी० बोस, जम्मू
(५) प्रोफेसर जे० एस० ग्रेवाल, अमृतसर
(६) प्रोफेसर डी० एन० धनागरे, पुणे
(७) प्रोफेसर एस० वी० देव, पुणे

अनुदानों के ब्योरे परिशिष्ट IV में दिये गए हैं।

७.०६ निम्नलिखित चार भारतीय विद्वानों को अनुदान स्वीकृत किये गए ताकि वे विदेशों का दौरा कर सकें। प्रथम व्यक्ति के मामले में यह अनुदान एक पुरातत्वीय खुदाई में भाग लेने के लिए और शेष के मामलों में अनुसंधान के लिए सामग्री एकत्र करने के लिए स्वीकृत किया गया था :

१. डा० शीरीन रत्नागर, नई दिल्ली।
२. डा० कृपाल सिंह, पटियाला।
३. मेस० अमिता दास, लखनऊ।
४. डा० ऊषा अग्रवाल, नई दिल्ली

अनुदानों के ब्योरे परिशिष्ट IV में दिये गए हैं।

VIII

प्रकाशन

८.०१ परिषद की अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'दि इण्डियन हिस्टोरिकल रिव्यू' खण्ड ५ अंक १ और २, मार्च १९८१ में जारी किया गया। इसमें १२ लेख, ७३ समीक्षाएं और ५ लघु नोटिस शामिल हैं। खण्ड ६, अंक १ और २, जिनमें ७ लेख, २ समीक्षा लेख

और लगभग ६० समीक्षाएं तथा लघु नोटिस हैं, छपने के लिए भेजे गए।

८.०२ उपरोक्त के अलावा परिषद ने ४ पुस्तकें: पुनर्मुद्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रकाशित लेखों का एक संग्रह और तीन अनुवाद प्रकाशित किये। परिषद ने एक वार्षिक रिपोर्ट तथा न्यूजलेटर भी प्रकाशित किया। इनके ब्योरे नीचे दिये गये हैं।

पुनर्मुद्रण कार्यक्रम :

१. 'भारतीय मुद्राशास्त्र-डी० डी० कोसंबी द्वारा (ओरिएन्ट लोंगमेन लि० नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)

अनुवाद

बंगला

१. 'भारत का इतिहास' खण्ड १-रोमिला थापर द्वारा (ओरिएन्ट लोंगमेन लि० कलकत्ता के साथ सह-प्रकाशित)

२. 'मुगलों के शासन में भू-राजस्व प्रशासन'-एन० ए० सिद्दिकी द्वारा (पर्ल पब्लिशर्स, कलकत्ता के साथ सह-प्रकाशित)

३. 'हिन्दुस्तान के लोगों का जीवन और परिस्थितियां'
डा० के० एम० अशरफ द्वारा
(पर्ल पब्लिशर्स, कलकत्ता के साथ सह-प्रकाशित)

वार्षिक रिपोर्ट

१. भा० इ० अ० प० वार्षिक रिपोर्ट, १९७८–७९-अंग्रेजी

२. भा० इ० अ० प० वार्षिक रिपोर्ट, १९७८-७९-हिन्दी

न्यूजलेटर

१. भा० इ० अ० प०, खण्ड ६, अंक ३-४ (जुलाई-दिसम्बर, १९७८)

८.०३ निम्नलिखित तीन प्रकाशन-एक स्रोत खण्ड, एक परियोजना कार्य और एक अनुवाद–प्रकाशन के विभिन्न स्तरों पर थे :

१. 'तमिलनाडु और केरल के शिलालेखों की एक स्थलाकृतिक सूची',-खण्ड I -प्रोफेसर टी० वी० महालिंगम

२. 'पंजाब में स्वतंत्रता संग्राम और विधायी राजनीति का अध्ययन: १८९७-१९४७'-सत्य एम० राय द्वारा

३. 'दि कोलास' - प्रोफेसर के० ए० नीलकांत शास्त्री
(के० वी० रमन द्वारा तमिल अनुवाद)

IX

प्रलेखन केन्द्र एवं पुस्तकालय

९.०१ वर्ष के प्रारम्भ में केन्द्र में ११,५३० खण्ड थे। वर्ष के दौरान ४३५ खण्ड और जोड़े गये, इस प्रकार वर्ष के अन्त तक खण्डों की कुल संख्या ११,९६५ हो गई। पुस्तकालय में मंगाई जाने वाली पत्रिकाओं/पत्रों की संख्या १०० थी।

९.०२ एक माइक्रो फिल्म रीडर प्राप्त किया गया और अध्येताओं के उपयोग के लिए उसे पुस्तकालय में लगाया गया। वर्ष के दौरान ९ माइक्रोफिल्म/पुनर्मुद्रण प्राप्त किये गए।

X

प्रशासन

१०.०१ निम्नलिखित तालिका में वर्ष के दौरान परिषद की हुई बैठकों की संख्या दर्शायी गयी है :

परिषद/समिति	बैठकों की संख्या
(१) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद	२
(२) प्रशासनिक समिति	३
(३) अनुसंधान परियोजनाएं समिति	३
(४) अध्ययन अनुदान समिति	३
(५) सम्पादकीय बोर्ड, टूवर्ड्स फ्रीडम प्रोजक्ट	१

१०.०२ ३१ मार्च १९८१ को परिषद की संस्वीकृत स्टाफ संख्या परिशिष्ट VIII में दी गयी है।

परिशिष्ट–I

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद

(३१ मार्च १९८१ की स्थिति)

भा० इ० अ० प० का गठन

प्रोफेसर ए० आर० कुलकर्णी,
अध्यक्ष, भा०इ०अ०प०
अध्यक्ष, इतिहास विभाग,
पूना विश्वविद्यालय, पुणे

१. डा० रघुबीर सिंह,
रघुबीरसिंह निवास, सीतामऊ,
मालवा–४५८९९० (म०प्र०)

२. प्रोफेसर एस० एस० बल,
अध्यक्ष,
इतिहास विभाग,
पंजाबी विश्वविद्यालय. पटियाला–१४७९९२

३. प्रोफेसर वी०एन० दत्ता,
प्रोफेसर, आधुनिक इतिहास,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र–१३२११९

४. डा० पी० एन० चोपड़ा,
सम्पादक (गजेटियर्स),
संस्कृति विभाग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–११०००१

५. प्रोफेसर पी० एस० गुप्ता,
इतिहास विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–११०००७

६. प्रोफेसर बी०एस० माथुर,
इतिहास विभाग,
उदयपुर विश्वविद्यालय,
उदयपुर (राजस्थान)

७. प्रोफेसर के० ए० निजामी,
निजामी विला,
सर सैयद रोड, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)

८. प्रोफेसर लल्लनजी गोपाल,
ए० आई० एच० सी० तथा पुरातत्व विभाग,
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–२२१००१

९. प्रोफेसर के० डी० बाजपेयी,
एच-१५, पद्माकर नगर,
सागर–४७९९९४ (म०प्र०)

१०. प्रोफेसर योगेन्द्र मिश्र,
वैशाली भवन,
टिकियाटोली, पटना–८००००६

११. प्रोफेसर सिसिर कुमार मित्रा,
१/१ए-विलियम लेन, कलकत्ता–७००००९

१२. प्रोफेसर एम० एन० दास,
इतिहास विभाग,
उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार,
भुवनेश्वर–७५१००४ (उड़ीसा)

१३. प्रोफेसर एच० के० बरपुजारी,
प्रोफेसर, इतिहास (सेवानिवृत्त),
एच० सी० रोड, गोहाटी–७८१००१

१४. प्रोफेसर द्विजेन्द्र त्रिपाठी,
प्रोफेसर, आर्थिक इतिहास,
भारतीय प्रबन्ध संस्थान,
अहमदाबाद–३८००१५

१५. प्रोफेसर सरोजिनी रेगानी,
६-१-२७५/२, पद्मारावनगर,
सिकन्दराबाद–५०००२५

१६. प्रोफेसर एस० एच० रित्ती,
प्रोफेसर तथा अध्यक्ष,
प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरालेख विभाग,
कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़–५८०००३ (धारवाड़)

१७. प्रोफेसर एन० सुब्रमयम,
नं० ९६, एन० जी० ओ० कालोनी,
नागमलई पुडुक्कोटी, मदुरै–६२५०१९ (तमिलनाडु)

१८. प्रोफेसर टी० के० रविन्द्रन,
इतिहास विभाग,
केरल विश्वविद्यालय, करिआवट्टम, त्रिवेन्द्रम–६९५५८१

१९. प्रोफेसर सतीश चन्द्र,
ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली–११००६७

२०. महानिदेशक,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
नई दिल्ली–११०००१

२१. श्री एस० ए० आई० तिरमीजी,
निदेशक,
भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार,
जनपथ, नई दिल्ली–११०००१

२२. सचिव (शिक्षा),
शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–११०००१

२३. श्री मीर नसरुल्लाह,
अपर सचिव,
संस्कृति विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–११०००१

२४. श्री आर० एन० पी० सिन्हा,
उप वित्तीय सलाहकार,
शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली ११०००१

२५. श्री एच० के० रक्षित,
निदेशक,
भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण,
२७, जवाहर लाल नेहरू रोड,
कलकत्ता–७०००१६

२६. सदस्य सचिव,
(अभी तक परिषद द्वारा पद मंजूर नहीं किया गया है)

परिशिष्ट–II

वर्ष के दौरान स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं की सूची नीचे दी जा रही है। स्वीकृत राशि कोष्ठक में दी गई है।

१. प्रोफेसर अधीर चक्रवर्ती, उप जन शिक्षा निदेशक (प्रशा०), प० बंगाल सरकार, राइटर्स बिल्डिंग, कलकत्ता, 'प्राचीन भारत में शहरी विकास' (२०,४०० रु०)।

२. डा० ए० के० शास्त्री, भवानी बिल्डिंग, टी०एस०एस० चावल मिल के निकट, सिरसी, कर्नाटक, 'शृंगेरी मठ के कठियाओं से चुनिन्दा पूर्व–१८०० अभिलेख' (२५,००० रु०)।

३. डा० आर० व्यास, रीडर तथा अध्यक्ष, इतिहास विभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर, 'राजस्थान में व्यापार मार्ग और वाणिज्यिक केन्द्र : १७५०–१८१० ए०डी० (९,००० रु०)।

४. श्री शैलेन्द्र कुमार बाग, इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 'बंगाल में रेशम उद्योग और रेशम बुनकर : १७५७–१८३५ ए०डी०' (५,००० रु०)।

५. डा० हरिओम, प्राध्यापक, स्नातकोत्तर इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, 'लाला लाजपतराय और भारतीय आजादी के लिए संघर्ष' (५,००० रु०)।

६. डा० यू० एन० चक्रवर्ती, ओला बिबिटोला, महला, हुगली, 'भारतीय राजनीति और अर्थ-व्यवस्था पर प्रथम विश्वयुद्ध का प्रभाव : १९१४–१९१८' (५,००० रु०)।

७. डा० एम० ए० खान, इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर, '१८६० से १९०९ तक मध्य प्रान्त में भू-राजस्व प्रशासन' (८,००० रु०)।

८. डा० रघुबीर सिंह, रघुबीर निवास, सितामऊ, मालवा, म० प्र०, 'राव उदयभान चम्पावत री ख्यात' (२५,००० रु०)।

९. डा० डी० सी० वर्मा, जूनियर अनुसंधान अधिकारी, इतिहास खण्ड, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, 'बीजापुर राज्य का सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक इतिहास : १४९०–१६८६ ए०डी० (५,००० रु०)।

१०. डा० जमीरुद्दीन सिद्दीकी, रीडर, उच्च अध्ययन केन्द्र, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, '१८वीं शताब्दी के दौरान भारत में मुस्लिम धार्मिक अभियान' (४,००० रु०)।

११. डा० एस०बी० चौधरी, १/१०, आर० सी० मुखर्जी लेन, कलकत्ता-२५, 'भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान नागरिक अव्यवस्था : १७६५–१८५७,' (५,००० रु०)।

१२. श्री जितेन्द्र सिंह, ९ श्रीकृष्णपुरी, जयप्रकाश पथ, पटना, '५०० बी०सी० से ७०० ए०डी० तक पाटलीपुत्र का इतिहास' (८,४०० रु०)।

१३. प्रोफेसर ए०वी० नरसिम्हामूर्ति, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 'कर्नाटक में साहित्य और पुरालेखों से मुद्रा-शास्त्रीय आंकड़े' (१३,००० रु०)।

१४. डा० वाई० गोपाला रेड्डी, प्राध्यापक, इतिहास, एस० के० आर० राजकीय कालेज, गुडुर, आन्ध्र प्रदेश, 'काकातिय वास्तुकला और कला' (९,००० रु०)

१५. श्री सुखबीरसिंह गहलोत, मेरती गेट, जोधपुर, 'ऐतिहासिक पंचांग' (१०,००० रु०)।

१६. डा० बी० एस० दास, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर, 'दक्षिण-पश्चिम बंगाल प्रेसीडेंसी के आर्थिक इतिहास के कुछ पहलुओं का अध्ययन : १८३३–१८८५' (२२,७००रु०)।

१७. डा० जे०बी० भट्टाचार्जी, रीडर, इतिहास विभाग, समाज विज्ञान स्कूल, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, 'उत्तर-पूर्वी-भारत में सीमान्त व्यापार का इतिहास : १७९४–१९७९' (२५,००० रु०)।

१८. डा० सुषमा जे० वर्मा, इतिहास विभाग, पूना विश्वविद्यालय पुणे, 'महाराष्ट्र में राजस्व समाधान : १८१५–१९००' (६,००० रु०)।

१९. प्रोफेसर विपिन चन्द्र, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'मार्क्स, एशियाई सोसायटी और उपनिवेशवाद' (६,००० रु०)।

२०. डा० शंकर प्रसाद घोष, पो० आ० बाबरा प्रफुल नगर, जिला २४-परगना, प० बंगाल, 'नादिया के मंदिरों में टेराकोटा व अन्य सज्जा' (११,००० रु०)।

२१. डा० एम०ए० नईम, ६-१-६९१३, सईद मंजिल, सैफाबाद, हैदराबाद, आन्ध्रप्रदेश, 'दक्कन के प्रशासनिक इतिहास के संबंध में चुनिन्दा दस्तावेज : १७४८-१८०३ ए०डी०' (२०,००० रु०)।

२२. डा० के० एस० मैथ्यू, रीडर, इतिहास विभाग, एम० एस० विश्वविद्यालय, बड़ौदा, 'गुजरात और महाराष्ट्र में पुर्तगाली—एक सामाजार्थिक अध्ययन —१५००–१७०७ ए०डी०' (१०,००० रु०)।

२३. कुमारी एम० जे० लोबो, जेवियर ऐतिहासिक अनुसंधान केन्द्र, मिरामर, पणजी, गोआ, 'स्वतन्त्रता-पूर्व युग में प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं में गोआ के क्षेत्रीय इतिहास की संदर्भ गाइड,' (१२,००० रु०)।

२४. श्री ए० एलेग्जेण्डर, इतिहास विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, 'सौराष्ट्र के शाही राज्यों के संदर्भ में प्रभुता का विकास' (५,००० रु०)।

२५. डा० जी०सी० पटनायक, प्रिंसिपल, व्यासनगर कालेज, जयपुर रोड, कटक, 'ब्रिटिश शासन के अधीन उड़ीसा : आर्थिक इतिहास के संबंध में स्रोत सामग्री का संग्रह और सम्पादन' (२५,००० रु०)।

२६. डा० बी० एस० दास, रीडर, मानविकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर, ('पं० बंगाल के दो जिलों—मिदनापुर और हावड़ा में स्वतन्त्रता आन्दोलन : १९३९–४७' (१२,००० रु०)।

२७. डा० के० के० एन० कुरूप, रीडर, इतिहास विभाग, कालीकट विश्व-विद्यालय, कालीकट, 'उपनिवेशीय पद्धति के अधीन कसारगोड़ तालुक में भू-नियंत्रण और कृषि प्रणाली' (२२,००० रु०)।

२८. प्रोफेसर बी० एन० मुखर्जी, उच्च अध्ययन केन्द्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 'प्राचीन भारत की ऐतिहासिक एटलस', (२०,००० रु०)।

२९. अन्तर्राष्ट्रीय भारतीय संस्कृति अकादमी, जे-२२, हौज खास एनक्लेव, नई दिल्ली, 'ए०डी० ८५५ से ए०डी० ११५८ तक मद्रास संबंधी प्राचीन पाण्डुलिपियों के संबंध में अध्ययन,' (१२,००० रु०)।

३०. कुमारी अनुसूया सेनगुप्ता, ८।१ , फर्न रोड बालीगंज, कलकत्ता, 'बंगाल की बौद्ध कला का सर्वेक्षण' (५,००० रु०)।

३१. अन्तर्राष्ट्रीय भारतीय संस्कृति अकादमी, जे-२२, हौज खास, एनक्लेव, नई दिल्ली,' भारतीय इतिहास के ह्यु न-सांग के अभिलेखों का संकलन और प्रकाशन' (१०,००० रु०)।

३२. डा० मणि कामेरकर, प्रिंसिपल, मनीबेन नारावती महिला कालेज, राष्ट्रीय शाला रोड़, गांधी चौक, विले पार्ले (प०) बम्बई, 'थाना जिले में वर्ग और जातिः कम्पनी शासन १८००-१८५० के दौरान संरचनाएं और परिवर्तन' (५,००० रु० सीड मनी के रूप में)

३३. डा० उमा पाण्डेय, प्राध्यापक, स्नाकोत्तर संस्कृत विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू 'काश्मीर शैववादः एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण' (१५,००० रु०)।

३४. डा० आर० दास० गुप्त, रीडर, कला तथा वास्तुकला इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'उत्तर भारतीय भित्ती चित्रकारी (१६वीं-१९वीं शताब्दी) (१५,००० रु०)।

३५. श्री रघुपाती कन्थूर, प्राध्यापक, इतिहास, मनीपाल जूनियर कालेज, मनीपाल, कर्नाटक, 'दक्षिण कनारा जिले में उडुपी तालुक की स्थलाकृति' (८,००० रु०)।

३६. डा० आर० एस० शिवगणेशमूर्ति, रीडर, संस्कृत विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय मैसूर, 'कर्नाटक इतिहास के संस्कृत स्रोत' (१७,००० रु०)।

३७. प्रोफेसर हेम नारायण अग्रवाल, अध्यक्ष, स्नाकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग, बिहार विश्वविद्यालय केन्द्र, छपरा, बिहार, 'भू जडित देश में कमाण्ड माडल-नेपाली अनुभव (१८४६-१९५०)।' (२४,००० रु०)।

३८. श्री एम० मजुमदार, ए-२६, चितरंजन पार्क, नईदिल्ली, 'भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलनः सी० आर० दास की जीवनी पर प्रलेखन' (५,००० रु०)।

३९. डा० बी वेंकटरमन, सचिव, पर्यटन तथा नागरिक विमानन मंत्रालय, भारत सरकार, विलिंगडन क्रेसेंट, नई दिल्ली, '२००० वर्षों के दौरान ओडिसी कला और वास्तुकला का विकास' (१०,००० रु०)।

४०. श्री पी० सी० रे, जे– १९६७, चितरंजन पार्क, नईदिल्ली, 'पूर्वी भारत में भाषाई राज्य: उनके ऐतिहासिक विकास का अध्ययन (१९०५-५६)' (५,००० रु०)।

४१. श्री लाल मनी दूबे, अनुसंधान अध्येता, प्राचीनभारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद, 'कला तथा वास्तुकला संबंधी आंकड़ों के विशेष संदर्भ में भुवनदेवा के अपराजितापृच्छा का सामाजिक, सांस्कृतिक अध्ययन' (५,००० रु०)।

४२. श्री आर० अन्नमलई, सहायक प्रोफेसर, इतिहास, पंचिअप्पा कालेज, मद्रास, 'तमिलनाडु के नागरत्तर्सा' (४,३०० रु०)।

४३. श्री जी० एल० पुरी, एम-६०, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, 'बी० सी० से पहले और बाद में अफगानिस्तान की बौद्ध परम्परा-उस क्षेत्र में बौद्ध धर्म का प्रचार और समाप्ति' (३,६०० रु०)।

४४. श्री एस० डी० त्रिवेदी, उप निदेशक, आसूचना ब्यूरो, गृह कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, 'प्राचीनभारत में पुलिस संगठन और उसकी भूमिका' (१२,९६० रु०)।

४५. श्री एन० बी० वसंत शेट्टी, प्राध्यापक, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग, एस० एम० एस० कालेज, ब्रह्मावर, कर्नाटक, 'बाराकुरु: पुरावशेषों की महानगरी: इसका इतिहास और संस्कृति, (५,००० रु०)।

४६. श्री सुरिन्दर मंजेश्वर, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, कर्नाटक कला कालेज, धारवाड, 'प्राचीन काल से १५वीं शताब्दी तक कर्नाटक का सैनिक इतिहास' (१०,००० रु०)।

४७. डा० एस० के० महामई, कार्यवाहक निदेशक, अभिलेखागार, पणजी गोआ, 'सुनदा पुर्तगाली संबंध: १८वीं और १९वीं शताब्दी' (५,००० रु०)।

४८. श्री एच० सी० शर्मा, इतिहास विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 'पंजाब के शिल्पकार: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में सामाजिक परिवर्तन का अध्ययन: १८४६-१६४७' (५,००० रु०)।

४६. कुमारी एस० भगवती, सहायक प्रोफेसर, सेंट मेरी कालेज, तूतीकोरीन, 'तिरुनेलवेली जिले का राजनीतिक और सामाजिक इतिहास: १७८१-१६४७' (५,००० रु०)।

उपरोक्त अनुसंधान परियोजनाओं की स्वीकृति के अलावा निम्नलिखित के लिए समय में बढोतरी/अतिरिक्त अनुदान स्वीकृत किए गए:

१. डा० एस० पी० संगर, ३०६३, सेक्टर २८-डी, चण्डीगढ़, '१७वीं शताब्दी में उत्तर भारतीय सोसायटी और संस्कृति' (१२,५०० रु० की लागत से एक और वर्ष समय की बढोत्तरी)।

२. श्री हरीश चन्द्र टिक्कीवाल, प्राध्यापक, इतिहास और संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, 'खतूत अहलकरण-राजस्थानी शृंखला, १६३३-१७६६ ए० डी० (भूतपूर्व जयपुर राज्य के अधिकारियों के बीच आदान-प्रदान किये गए पत्र), (१५०० रु० अतिरिक्त अनुदान के रूप में)।

३. काजी सज्जाद हुसैन, २११५, अहाताकाले साहब, कासिमजान स्ट्रीट, बल्ली-मारान, दिल्ली-६, सिराज-उल-हिदया (विद्यमान शर्तों और नियमों के अनुसार जामिला-उल-उलूम को सम्मिलित करने के लिए २वर्ष की अवधि बढाई गई तथा अनुसंधान अध्येता का मासिक वेतन ५०० रु० तक बढाने का प्रावधान किया गया)।

४. डा० वी० जी० हटालकर, पो० ओ० जनरल अस्पताल, तेलागांव, दभादे, यशवंत नगर, पुणे, 'मराठों के इतिहास से सम्बन्धित फ्रेंच दस्तावेजों का अनुवाद' (१०,५०० रु०)।

५. प्रोफेसर एस० सी० मिश्र, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, एम० एस० विश्व-विद्यालय बड़ौदा, 'तारीख-ए-महमूदशाही और शहरी इतिहास प्रलेखों का प्रकाशन' (२६,४०० रु०)।

६. श्री शौकत अली खान, निदेशक, राजस्थान प्राच्य अनुसंधान संस्थान, टोंक, राजस्थान, 'राजस्थान प्राच्य अनुसंधान, टोंक में पाण्डुलिपियोंका सूची पत्र तैयार करना' (१७,३०० रु०)।

परिशिष्ट–III

अधिछात्रवृत्तियां

वर्ष के दौरान स्वीकृत अधिछात्रवृत्तियों की सूची नीचे दी गई है। स्वीकृत राशि कोष्ठक में दी गई है:

१. श्री एस० बरकत अहमद, २६७, साकेत, इन्दौर-१, 'खिलाफत से विभाजन तक भारत में मुस्लिम राजनीति' (५,००० रु० प्र० वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक ६०० रु० प्र० मास की दर पर एक वर्ष के लिए एक वरिष्ठ अनुसंधान अन्वेषक की नियुक्ति का प्रावधान)।

२. श्री राम गोपाल, शान्ति सदन, मोती नगर, लखनऊ आजादी के बाद से भारतीय धर्मनिरपेक्षता' (५,००० रु० प्र० वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक १५०० रु० प्र० मास, साथ ही दो वर्ष तक ५०० रु० प्रति मास की दर से एक अनुसंधान सहायक की नियुक्ति का प्रावधान)।

३. श्रीमती गिरिजा सक्सेना, पंजाबी मोहल्ला, प्राध्यापक, इतिहास, गुना., म०प्र० 'गुना जिले का पुरातत्व' (३५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक वेतन संरक्षण)।

४. डा० बी० आर० शर्मा, इतिहास विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, 'प्राचीन भारत में योग की उत्पति और विकास' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक ७०० रु० प्रति मास)।

५. श्री अरविन्द कुमार शर्मा, पश्चिमी इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, 'भारत में समाजवादी आन्दोलन का इतिहास: १६२७-३६' (३,००० रु० फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष तक ६०० रु० प्रति मास)।

६. श्रीमती निर्मला के० कथुवा, २० वेंकटारत्नम नगर, अडयार, मद्रास-२०, 'आन्ध्र प्रदेश में धार्मिक धर्मादाओं का इतिहास: १८००-१६७०' (१५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ५०० रु० प्र० मास)

७. श्री लाजपत जग्गा, अनुसंधान अध्येता, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'एक औद्योगिक श्रमिक बल

का विकास और भारत में श्रमिक विरोध के स्वरूप : रेलों का एक अध्ययन: १९१९-३७' ।(२,००० रु० के कुल फुटकर अनुदान के साथ १६ महीने तक वेतन संरक्षण)।

८. श्री प्रेम शंकर पाण्डे, इतिहास विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, 'पी० डी० टन्डन के जीवन और कार्यकलापों का एक ऐतिहासिक अध्ययन (१८८२-१९६२)' (१,००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ५०० रु० प्रति मास)।

९. श्री पी० के० सिंह, द्वारा श्री जी०एन०पी० सिंह, इतिहास विभाग, यू० एन० पी० जी० कालेज, पदरामा, '१९०१ से १९२२ तक उ० प्र० के औद्योगिक विकास का इतिहास' (१,००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक ५०० रु० प्रति मास)।

१०. श्री बी० एन० पाल, डी-२९, माडल टाउन, दिल्ली, 'उत्तर प्रदेश की अन्तर-युद्ध अर्थ-व्यवस्था' (२००० रु० प्र० वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १००० रु० प्रति मास)।

११. डा० माधवी यासीन, जे-३३, सरकारी क्वार्टर्स, जवाहर नगर, श्रीनगर, काश्मीर, 'लार्ड डफरीन का भारतीय प्रशासन' (दिल्ली नगर भत्ते के साथ दो वर्ष तक वेतन संरक्षण और २००० रु० प्रति वर्ष का फुटकर अनुदान)।

१२. कुमारी आभा सक्सेना, इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर, 'भारत में राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन में सर तेज बहादुर सप्रू के विशेष संदर्भ में उदारवादियों का योगदान,' (१,००० रु० प्र० वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ५०० रु० प्रति मास)।

१३. श्री वी० राम कृष्ण रेड्डी, इतिहास विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 'वारंगल सूबे का आर्थिक इतिहास १९११-५१' (१,००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष तक वेतन संरक्षण)।

१४. श्रीमती दिनेश नन्दिनी, ५२८/१२, मसीहा गंज, सिपरी बाजार, झांसी, 'प्राचीन काल से सरका ७वीं शताब्दी ए० डी० तक शैक्षिक और सामाजिक प्रगति के क्षेत्र में प्राचीन भारतीय महिलाओं का अंशदान' (१५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक वेतन संरक्षण)।

१५. प्रोफेसर योगेन्द्र मिश्र, वैशाली भवन, टिकियाटोली, पटना-६, 'वैशाली का इतिहास: ४८४ बी० सी०-५५० ए० डी० (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक १५०० रु० प्रति मास)।

१६. श्री जी० के० वेट्टीकल, अनुसंधान अध्येता, इतिहास तथा पुरातत्व विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड, 'दक्षिण भारतीय इतिहास लेखन का विकास' (२५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ छः महीने तक ५०० रु० प्रति मास)।

१७. डा० वी० टी० गुने, सेवानिवृत निदेशक, 'गोआ अभिलेखागार पणजी, गोआ, 'मराठा इतिहास के प्रकाशित स्रोतों का सर्वेक्षण और मराठी दस्तावेजों का एक सूचीपत्र तैयार करना: १६००-१८१८' (५,००० रु० प्र० वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक १२०० रु० प्रतिमास)।

१८. श्री साहब सरमादी, अलीगढ,' मुगल भारत में संगीत का इतिहास जिसमें मोहम्मद रजा द्वारा नगमत-अल-असाफी में उसूल का सम्पादन, समायोजन और तुलनात्मक अध्ययन, कलावत द्वारा रागदर्शन, खुशहल (फारसी में), राग मंजरी और राग माला (संस्कृत में) शामिल है, इसके अतिरिक्त नवाब सइफ खान का मन कुतुहल बनाम राग-दर्पण, मिर्जा रोशन जमीर द्वारा तुर्जुमा-ए-किताब व मिर्जा खान द्वारा तुहफत-उल-हिन्द भी शामिल हैं' (५,००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ तीन वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास-यात्रा-परामर्श व्यय ६००० रु० प्र० वर्ष की दर से और ७०० रु० प्र० मास की दर से एक अनुसंधान सहायक नियुक्त करने का प्रावधान। इसके अलावा ५५० रु० टाइप व्यय वहन करने के लिए—अधिकतम २४०० रु० प्रति वर्ष स्वीकृत करने का भी प्रावधान किया गया)।

१९. कुमारी ताप्ती बनर्जी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'बंगाल नवाबों के अधीन हिन्दू कुलों की भूमिका: १७०१-६५ (१००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक ५०० रु० प्र० मास)।

२०. श्री अरूप चक्रवर्ती, इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 'विपिन चन्द्र पाल और भारत में उग्रपंथी चुनौती: १८५८-१९३२'

(१५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष तक ५०० रु० प्रति मास)।

२१. श्रीमती मनोषी मुखर्जी, द्वारा श्रीमती लीना बनर्जी, न्यू लेडीज कालोनी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'उ० प्र० में क्रांतिकारी आन्दोलन का इतिहास: १९१५-३१' (१५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ५०० रु० प्रति मास)।

२२. श्रीमती सुधा त्यागी, इतिहास विभाग, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, 'उत्तर प्रदेश में नागरिक असहयोग आन्दोलन: १९२९-३४' (१५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक वेतन संरक्षण)।

२३. श्री के० एन० धर, निदेशक, श्री परमानन्द अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर: 'श्रीवरा के जैन राजतरंगिनी का अनुवाद,' (५००० रु० के फुटकर अनुदान और ५०० रु० प्रति मास की दर पर एक जूनियर अनुसंधान फैलो नियुक्त करने के प्रावधान के साथ दो वर्ष के लिए १२०० रु० प्रतिमास)।

२४. कुमारी कुमुद वर्मा, द्वारा श्री जी० पी० वर्मा, ३२५, माधवपुर जी० टी० रोड, इलाहाबाद, 'प्राचीन भारतीय लोक कला, जैसी कि वह मौर्य काल से कुषाण काल तक भारतीय कला के रूप में प्रदर्शित है' (१५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ५०० रु० प्रति मास)।

२५. प्रोफेसर के० डी० वाजपेयी, १५,पदमाकर नगर, मकरोनिया, सागर, म० प्र०, 'प्राचीन भारतीय इतिहास के लिए मुद्राशास्त्रीय स्रोत सामग्री' (५००० रु० प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान और दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास की दर पर एक अनुसंधान सहायक नियुक्त करने के प्रावधान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

२६. श्री तुलसी राम, दिगम्बर जैन पी० जी० कालेज, बड़ौत, मेरठ, 'पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में क्रांतिकारी आन्दोलन: १९०७-३१' (१५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

२७. डा० सी० एस० उपासक, निदेशक, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा, 'अफगानिस्तान में बौद्ध धर्म का इतिहास' (५००० रु० प्रतिवर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १००० रु० प्रतिमास)।

२८. डा० यशोधर मतुपल, दक्कन कालेज, पुणे, 'मध्य भारत में भौनरावली पर्वत (भीमबेटका क्षेत्र) के 'पत्थर युग की शिला कला' (५००० रु० प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास)।

२९. श्री मणि पाण्डे, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर 'बनारस क्षेत्र में वाणिज्यिक खेती का विकास: १७७५-१८५७' (२००० रु० प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ २ वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३०. श्री आर० सी० श्रीवास्तव द्वारा शारदा मेडिकल हाल, रामनगर, वाराणसी, 'विष्णुधर्मावतारा पुराण में भेषज विज्ञान' (३००० रु० प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३१. श्री के० पुल्ला राव, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर, 'आन्ध्रप्रदेश और महाराष्ट्र की पुरा पाषाणीय संस्कृति' (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३२. प्रोफेसर बी०पी० सिन्हा, पटना, 'प्राचीन बिहार में कला और वास्तुकला' (५००० रु० प्रतिवर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

३३. प्रोफेसर बी० एन० पुरी, बी-५८, सेक्टर-ए, महानगर, लखनऊ-६, मध्य एशिया में बौद्ध धर्म: इसके साहित्य और स्मारकों का एक विस्तृत अध्ययन' (५००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

३४. श्री एफ० ए० हाश्मी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, 'दीवान-ए-आफताब का एक समालोचनात्मक संस्करण' (२५०० रु० प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३५. डा० डी० इ० बाकेर, इतिहास विभाग, सेंट स्टीफन कालेज, दिल्ली-७, 'भारतीय भीतरी भूमि में एक कृषक वर्ग की संरचना: मध्य भारत की नर्मदा घाटी: १८२०-१९२०' (२५०० रु० प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक वेतन संरक्षण)।

३६. डा० (श्रीमती) जानकी सिन्हा, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, एस० एस०-एल० एन० एन० टी० एम० कालेज धनबाद, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से सम्बद्ध,' भारतीय राजनीति पर द्वितीय विश्व युद्ध का प्रभाव: १९३९-४५ (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

३७. श्री राकेश पाण्डेय, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, 'भारत में शक्ति का स्थानान्तरण: १९३७-४७' (२५०० रु० प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३८. श्री तपस कुमार गांगुली, इतिहास विभाग, के० आर० कालेज, कन्डी, जि० मुर्शिदाबाद, प० बंगाल, 'बंगाल की रायल एशियाटिक सोसायटी: १७८४-१८३५: ब्रिटिश प्राच्यवाद का अध्ययन' (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

३९. श्रीमती सुलेखा दास, इतिहास विभाग, एस० एम० कालेज, भागलपुर 'बिहार में प्रथम कांग्रेस मंत्रिमण्डल: १९३७-३९' (२५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

४०. श्री आर० एस० असीरवदम, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, 'आन्ध्र प्रदेश में मेन्नोनाइट भ्रातृ: एक ऐतिहासिक कृति: १८९९-१९७७' (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु (प्रति मास)।

४१. श्री शेख मोहिउद्दीन, इतिहास विभाग, व्यासनगर कालेज, राजपुर रोड, कटक, 'टी० इ० रावेनशा के अधीन उड़ीसा: १८६५-७८' (२५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए लिए वेतन संरक्षण)

४२. श्री बी० एन० चौधरी, इतिहास विभाग, सेंट कोलम्बस कालेज, हजारीबाग, 'बिहार में द्वैध शासन: १९२१-३९' (२५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

४३. श्री एम० के० जोशी, अनुसंधान अध्येता, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'अमेरिकी सोसायटी में कालों का स्थान: सिविल युद्ध दशक में वाद-विवाद का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (२५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

४४. श्रीमती रेणुका झा, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर 'रायपुर जिले में राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास: १९०५-४७' (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष तक ६०० रु० प्रति मास)।

४५. डा० एम० एल० भार्गव, ३४/९. ईस्ट पटेल नगर, नयी दिल्ली, 'दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय प्रवासियों और भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के संबंध में स्रोत सामग्री का संकलन' (३००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १००० रु० प्रति मास)।

४६. श्री सुशील श्रीवास्तव, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 'अवध में जमींदार-काश्तकार संबंध: १९२०-५१' (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

४७. कुमारी साधना शर्मा, ६४, माडल हाउस, लखनऊ, 'कुषाण काल के दौरान सोसायटी', (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

४८. डा०वी०के० सिंह, द्वारा श्री लोक नाथ सिंह, राजघाट बेसंट स्कूल, राजघाट फोर्ट, वाराणसी,' जैन साहित्य के आधार पर पूर्व मध्यकालीन भारत का सामाजिक जीवन' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ७०० रु० प्रति मास)।

४९. श्रीमती पद्मा भार्गव, द्वारा डा० एच० एन० भार्गव, बी-११, गौड़ नगर, सागर म० प्र०, 'महापुराणों में वैष्णव, शाक्य और शैव धाराओं का एक

समालोचनात्मक अध्ययन' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ७०० रु० प्रति मास) ।

५०. मेस० श्यामल जी चन्दा, रतन पल्ली, शान्तिनिकेतन, वीर भूमि, 'राधा में प्राचीन बस्ती' (१५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

५१. श्री अरुण कुमार सिंह, समाज विज्ञान संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'प्राचीन भारत में पवित्र स्थान' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

५२. डा० ईश्वर चन्द्र त्यागी, प्लाट नं० ४१६. गली नं० २, राजा पार्क, आदर्श नगर, जयपुर, 'छठी शताब्दी ए० डी० से १२वीं शताब्दी ए० डी० तक पश्चिमी भारत (राजस्थान और गुजरात) के सूर्य मन्दिर' (३००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

५३. श्री टी० पी० एस० नायर, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, राजकीय संस्कृत कालेज, त्रिवेन्द्रम, 'कर्नल मुनरो' : त्रावणकोर का आवासीय दीवान' (१५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ सात महीने के लिए ११०० रु० (प्रतिमास)।

५४. श्रीमती जे० आर० चौधरी, प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 'पूर्वी भारत में धार्मिक संहितवाद ६००-१३०० ए० डी० (३००० रु० वार्षिक फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ९७५ रु० प्रति मास) ।

५५. श्री बी० एस० मलिक, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली, 'गुजरात और बंगाल में मुद्रा प्रणाली, वाणिज्यिक प्रथा और अंग्रेजी व्यापार के पहलू: १६००-१७६५ ए० डी०' (२५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

५६. कुमारी मीना भार्गव, अनुसंधान अध्येता, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'गोरखपुर विभाग के विशेष संदर्भ में पूर्वी उ० प्र० में कृषि उत्पादन और

अनुपात' (२,५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

५७. श्रीमती माधवी बाजेकल, अनुसंधान अध्येता, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली, '१८वीं शताब्दी में पूर्वी राजस्थान में कस्बों की वृद्धि और विकास' (२,५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

५८. प्रोफेसर एस० सी० ठाकुर, राजकीय कालेज, रामपुर, बुशाहर, जि० शिमला, 'कांगड़ा का इतिहास : १७५०–१८५०' (२,५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

५९. श्री एम० ए० खान, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 'शाहजहां और औरंगजेब के अधीन ईरानी कुलीनता,' (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

६०. डा० अशोक कुमार श्रीवास्तव, सी-९९, कबीर चौरा, वाराणसी, 'प्राचीन उत्तर भारत में सामाजिक एवम् नगरीय अर्थव्यवस्था तथा जीवन, ए०डी० ७००–१२००' (२५०० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

६१. श्री फरामहा चवालित लरिन्द्रा, अनुसंधान अध्येता, पी० जी० होस्टल नं० ३, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, 'थाइलेण्ड में राजनीतिक विकास' (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

६२. श्री केशवन वेलुत्हत, प्राध्यापक, इतिहास, राजकीय कला तथा विज्ञान कालेज, कालीकट, इतिहास विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट से सम्बद्ध, 'दक्षिण भारत में राजतन्त्र की शक्ति प्रणाली: ए० डी० ६००–१२००' (३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

६३. कुमारी रानी सिंह, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 'प्राचीन भारत में सांस्कृतिक कार्यक्रम' (३००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

६४. डा० एस० एस० चरल, इहितसा विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, 'जम्मू क्षेत्र में कृषि प्रणाली का इतिहास १७८०–१९००' (४००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

६५. श्री टी० के०जी० नायर, अनुसंधान कक्ष, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार नई दिल्ली, 'हैदराबाद में ब्रिटिश नीति : १८१८–५३' (३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

६६. प्रोफेसर पी० एल० मेहरा, नं० १९८, सेक्टर ११/ए, चण्डीगढ़, 'भारतीय सीमा प्रशासन : चुनौती और प्रतिक्रिया : एक ऐतिहासिक रूपरेखा' (३००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

६७. श्रीमती प्रवीण, भीनी सेन, अनुसंधान अध्येता, स्नातकोत्तर इतिहास अध्ययन और अनुसंधान विभाग, जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर, 'मारीशस में भारतीय मूल के लोगों की सामाजिक और आर्थिक समस्याओं के कुछ पहलू : १८५७–१९४९' (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

६८. श्रीमती कुसुम दत्त, ३२, मीरान्डा हाउस स्टाफ क्वार्टर्स, दिल्ली, 'भारतीय स्वामित्व के अधीन अंग्रेजी समाचार पत्रों में प्रदर्शित भारतीय राष्ट्रवाद : १८५८–१९०४' (३००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

६९. डा० श्री पाल शर्मा, १/३०९५, रामनगर एक्सटेन्शन, लोनी रोड, शाहदरा, 'उत्तर प्रदेश के पत्रकार का सामाजिक-राजनीतिक चेतना में योगदान : १९२०–४७' (३००० रु० प्रतिवर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास)।

७०. श्रीमती शचि चक्रवर्ती, एफ ९/८, माडल टाउन, दिल्ली, 'पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारत छोड़ो आन्दोलन' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७१. श्री पी० सी० जोशी, द्वारा श्री सी० डी० जोशी, श्री गांधी आश्रम, गढ़ रोड मेरठ, 'मेरठ मण्डल : मेरठ, मुजफ्फरनगर, बुलन्दशहर, सहारनपुर, गाजियाबाद और देहरादून में १९४२ का भारत छोड़ो आन्दोलन'

(२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७२. डा० एन० के० सिंह, उच्च अध्ययन संस्थान, इतिहास विभाग, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, 'पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारत छोड़ो आन्दोलन, लोगों के योगदान के विशेष संदर्भ में : एक सामाजिक-राजनीतिक अध्ययन : १९४२-४५' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास)।

७३. डा० पी० एन० चोपड़ा, सी-II/४३, जाकिर हुसैन मार्ग, नई दिल्ली, 'भारत की आजादी की लड़ाई में मौलाना आजाद का योगदान' (५००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान और दो वर्ष के लिए एक वरिष्ठ अनुसंधान सहायक ६०० रु० प्रति मास की दर से और एक अंशकालिक आशुलिपिक ३०० रु० प्रति मास की दर से नियुक्त करने के प्रावधान के साथ दो वर्ष के लिए २००० रु० प्रति मास)।

७४. श्री टी० किचलू, ३७६०, कूचा परमानन्द, दरियागंज, दिल्ली-६, 'डा० एस० डी० किचलू के सिखों के साथ राजनीतिक संबंध : १९१८-१९८३' (दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७५. प्रोफेसर विश्वनाथ एस० नरवाने, २९/बी-१, हेस्टिंग्स रोड, इलाहाबाद, '१८वीं शताब्दी के अन्त से १९६४ तक आधुनिक भारत की सांस्कृतिक परम्परा' (८००० रु० प्रतिवर्ष फुटकर व यात्रा अनुदान तथा दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास की दर से एक अनुसंधान फैलो नियुक्त करने के लिए प्रावधान सहित दो वर्षों तक २००० रु० प्रतिमास)।

७६. कुमारी अरुणधती विरमानी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, '१७८९ से १८७० तक फ्रांस में सामाजिक श्रेणियां और सामाजिक आन्दोलन' (एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रतिमास)।

७७. श्री आर० सी० अग्रवाल, सेवानिवृत्त निदेशक, पुरातत्व तथा संग्रहालय, राजस्थान सरकार, जयपुर, 'राजस्थान की प्रोटो-ऐतिहासिक संस्कृतियां' (५००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

७८. कुमारी नन्दिनी मेहता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति, और पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'वैदिक संहिताओं में परिलक्षित भौतिक संस्कृति का अध्ययन' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७९. श्री जयदेव मिश्र, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, 'बिहार में बौद्ध प्रतिमा विज्ञान: ६००-१२०० ए०डी०' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

८०. मेस० राधा, प्राध्यापक, इतिहास, यूनिवर्सिटी कालेज, त्रिवेन्द्रम, '१८९४ से १९४९ तक त्रावणकोर में स्थानीय स्वः शासन का इतिहास' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

८१. श्री बी०एस० हीरा, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 'ऊपरी बारी दोआब में सामाजिक परिवर्तन : १८४९–१९४७' (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

८२. श्री पी० एन० के० बामजई, १३, कैलाश अपार्टमेंट्स, लाला लाजपत राय रोड, नयी दिल्ली–४८, '१८४६ से १९२५ तक काश्मीर का सामाजिक-आर्थिक इतिहास' (५००० रु० प्रतिवर्ष फुटकर अनुदान और दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रतिमास की दर से एक अनुसंधान सहायक तथा ३०० रु० प्रति मास की दर से एक अंशकालिक आशुलिपिक नियुक्त करने के प्रावधान के साथ दो वर्ष के लिए २००० रु० प्रति मास)।

८३. मेस० सुखमणि बल, अनुसंधान अध्येता, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'सेन्ट्रल सिख लीग' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

८४. श्री मनोज कुमार, अनुसंधान अध्येता, ६५, गेयर हाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'अंगुतरानीकक्ष : एक ऐतिहासिक प्रक्षेपण' (२००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

८५. श्री बी० के० थापर, सेवानिवृत्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्वीय सर्वेक्षण, जनपथ, नई दिल्ली, 'भारत और पाकिस्तान की नव -पाषाण

संस्कृति' (५००० रु० प्रति वर्ष फुटकर अनुदान तथा फोटोग्राफी आदि के लिए २००० रु० सहित दो वर्ष तक २००० रु०)।

८६. डा० ऊषा अग्रवाल, डी-४१६, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, 'भारतीय उप महाद्वीप के उत्तरी मार्गों की ऐतिहासिक एटलस : १५५०-१८५०' (५००० रु० प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए २००० रु० प्रति मास)।

उपरोक्त अधिछात्रवृत्तियां स्वीकृत करने के अलावा निम्नलिखित चालू अधिछात्रवृत्तियों के संबंध में समय में वृद्धि। अतिरिक्त अनुदान स्वीकृत किए गए :

१. डा० (कुमारी) शशि भारती, इतिहास विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 'उपनिवेशीय और सामन्तवादी पर्यावरण में सामाजिक सुधार—ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में राजस्थान की अनुसूचित जातियों और जन-जातियों का एक मामला अध्ययन' (अधिछात्रवृत्ति की राशि ६०० रु० प्रति माह से बढ़ाकर ७०० रु० प्रति माह कर दी गई)।

२. श्री संदीप चावला, इतिहास विभाग, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, 'ब्रिटिश भारत और फिलिस्तीन : १९१७–४७' (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ विद्यमान नियमों और शर्तों के आधार पर अधिछात्रवृत्ति तीन महीने के लिए बढ़ाई गई)।

३. डा० एम० एस० खान, प्लाट नं० ३०४, वेलेजली मेन्सन, ४४ ए, वेलेजली स्ट्रीट, कलकत्ता-१६, 'किताब अदब अल हर्ब वाशन शजाहाह का एक समालोचनात्मक संस्करण—फकीर मुद्दबर द्वारा' (एक वर्ष के लिए वृद्धि)।

४. श्री जे० एस० रक्कर, इतिहास विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 'पंजाब में मुस्लिम राजनीति : १९०९–४७' (एक वर्ष के लिए वृद्धि)।

५. श्री बी० एस० चन्द्र बाबू, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, महास क्रिश्चियन कालेज, ताम्बरम, मद्रास, 'सामाजिक विरोध और तमिलनाडु पर इसका प्रभाव : १९२५–४९' (एक वर्ष के लिए वृद्धि)।

६. श्री बी० एल० भदानी, अनुसंधान अध्येता, उच्च अध्ययन केन्द्र, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, '१७वीं शताब्दी में मारवाड की अर्थ-व्यवस्था' (एक महीने के लिए वृद्धि)।

७. श्री जी० डी० गुलाटी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, '१३वीं और १४वीं शताब्दी के दौरान उत्तर-पश्चिमी सीमा' (अतिरिक्त फुटकर अनुदान के रूप में १००० रु० स्वीकृत किए गए)।

८. डा० वेदवती वैदिक, बी-२/६१, सफदरजंग, एनक्लेव, नई दिल्ली-१६, 'उपनिषद युगीन भारत' (फुटकर अनुदान की राशि १५०० रु० प्रति वर्ष से बढ़ाकर ३००० रु० प्रति वर्ष कर दी गई)।

९. श्रीमती वी० रंगास्वामी, २/३, मल्टीस्टोरी फ्लेट्स, शाहजहां रोड, नई दिल्ली, 'भारत में संरक्षित प्रान्तों पर ब्रिटिश अनौपचारिक साम्राज्यवाद की गतिशीलता : १९००–४७' (छ महीने के लिए वृद्धि की गई)।

१०. श्री ए० मैथ्यू, अनुसंधान अध्येता, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'पश्चिमी शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन : मद्रास प्रेसीडेंसी में मिशनरी प्रयास : १८३०-१९३०' (१००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ छः महीने की वृद्धि)।

११. श्री देवेन्द्र सिंह, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, 'मेरठ' 'षड़यंत्र मामला और भारत में साम्यवादी आन्दोलन: १९२९-१९३५' (फुटकर अनुदान १५०० रु० से बढ़ाकर २५०० रु० कर दिया गया)।

१२. श्री डिप्टी कोहली, १८७०, वजीर सिंह स्ट्रीट, चूनामण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली-५५, 'उत्तरी भारत में उत्तरी काली पोलिश किए हुए बर्तन काल की भौतिक संस्कृति: पुरातत्वीय तथा साहित्यिक स्रोतों का एक तुलनात्मक अध्ययन' (एक वर्ष के लिए वृद्धि)।

१३. प्रीफेसर जे० पी० डिशूजा, मोहम्मदी मंजिल, एस० बी रोड़, खार, बम्बई, 'प्रोटो शिवा और सेरुनोस : तुलनात्मक प्रतिमा विज्ञान, धर्म विज्ञान और प्रेत विज्ञान का एक अध्ययन' (एक वर्ष की वृद्धि)।

१४. श्री जे० सी० नागपाल, ९/१५, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, 'भारत की भित्ती चित्रकारी : एक वर्गीकृत शब्दकोश' (एक वर्ष की वृद्धि)।

१५. डा० वी० टी० गुने, सेवानिवृत निदेशक, गोआ अभिलेखागार, पणजी, 'मराठा इतिहास के प्रकाशित स्रोतों का एक सर्वेक्षण और मराठी दस्तावेजों

का एक सूची पत्र तैयार करना: १६००-१८१८' (आशुलिपिक तथा टाइप व्यय के लिए ६,००० रु०)।

१६. श्रीमती कल्पना जोशी, आर-१२, हौज खास, नई दिल्ली, 'चिटगांव वर्ग, चिटगांव शस्त्रास्त्र छापा और उसके बाद का कार्यक्रम, सामाजार्थिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक विचारधारा के विशेष संदर्भ में बंगाल क्रांतिकारी आन्दोलन' (एक वर्ष वृद्धि)।

परिशिष्ट–IV

भारतीय विद्वानों को विदेशों का दौरा करने और विदेशी विद्वानों को भारत का दौरा करने के लिए यात्रा अनुदान

भारतीय विद्वानों को अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में विदेशों का दौरा करने और विदेशी विद्वानों को भारत का दौरा करने के लिए स्वीकृत अनुदानों की सूची नीचे दी गई है।

१. प्रोफेसर के० वी० रमन, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय मद्रास: मनीतोबा विश्वविद्यालय, विनिपेग, कनाडा में अगस्त १९८० में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय-बौद्ध अध्ययन एसोसिएशन के तीसरे सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक ओर का हवाई किराया स्वीकृत किया गया।

२. डा० बी० एस० शास्त्री रीडर, इतिहास, स्नातकोत्तर अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र, पणजी, गोआ: लिस्बन, पुर्तगाल में अक्तूबर १९८० में आयोजित भारत-पुर्तगाल इतिहास संबंधी दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेने के लिए एक ओर का हवाई किराया स्वीकृत किया गया।

३. प्रोफेसर उपेन्द्र ठाकुर, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय तथा एशियाई अध्ययन विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बौद्ध गया: क्वालालम्पुर, मलेशिया में २५ से २९ अगस्त १९८० तक आयोजित एशियाई इतिहासकारों की अन्तर्राष्ट्रीय एसोसिएशन के आठवें सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक ओर का हवाई किराया स्वीकृत किया गया।

४. प्रोफेसर ए० सी० बोस, कार्यकारी निदेशक, क्षेत्रीय संस्कृति केन्द्र, इतिहास तथा भाषाएं, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू: क्वालालम्पुर, मलेशिया में अगस्त १९८० में आयोजित एशियाई इतिहासकारों की अन्तर्राष्ट्रीय एसोसिएशन के आठवें त्रिवार्षिकी सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक ओर का हवाई किराया स्वीकृत किया गया।

५. प्रोफेसर जे० एस० ग्रेवाल, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, गुरुनानक देव विश्व-विद्यालय, अमृतसर: बुखारेस्ट, रूमानिया में १० से १७ अगस्त १९८० तक आयोजित ऐतिहासिक विज्ञानों की पन्द्रहवीं अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लेने के लिए एक ओर के हवाई किराये के रूप में ६३०५ रु० स्वीकृत किये गए। (इसका लाभ नहीं उठाया गया)।

६. प्रोफेसर मीर हुसैन शाह और डा० अब्दुल लतीफ जलाली, अफगानिस्तान: दोनों ओर का हवाई किराया (काबुल-दिल्ली-काबुल), भारत के अन्दर हवाई यात्रा और और दो सप्ताह के लिए स्थानीय आतिथ्य स्वीकृत किया गया ताकि दोनों विद्वान भारत-अफगानिस्तान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत दिसम्बर १९८० में भारत का दौरा कर सकें।

७. डा० शेरीन रत्नागर, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली : ईराक में ब्रिटिश पुरातत्वीय अभियान की खुदाइयों में भाग लेने के लिए ईराक का दौरा करने हेतु दिल्ली से बगदाद के एक ओर के हवाई किराये के रूप में ३००० रु० स्वीकृत किये गए।

८. फ्रांस से प्रोफेसर, पिरेरे देयोन, प्रोफेसर मौरिस अयमर्ड, प्रोफेसर गुइ बोइस, और प्रोफेसर पिरेरे लमईसन: भारत-फ्रेंच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत में हवाई यात्रा, स्थानीय आतिथ्य, दैनिक भत्ता और आवास एवं भोजन व्यय स्वीकृत किया गया।

९. डा० जोसेफ कोलमास, प्राच्य संस्थान, विज्ञान अकादमी, चेकोस्लोवाकिया: अन्तर्राष्ट्रीय भारतीय संस्कृति अकादमी, नई दिल्ली में उपलब्ध तिब्बती पाण्डुलिपियों से सामग्री एकत्र करने के लिए प्राग से दिल्ली तथा वापस जाने का दोनों ओर का हवाई किराया स्वीकृत किया गया (वर्ष के अन्त तक इसका लाभ नहीं उठाया गया था)।

१०. हैडलबर्ग विश्वविद्यालय, हैडलबर्ग, प० जर्मनी: भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित व्याख्यान देने के लिए दिल्ली, हैदराबाद, मद्रास, मदुरै और कलकत्ता में विश्वविद्यालयों का दौरा करने के वास्ते हवाई किराए, और अनुरक्षण तथा प्रासंगिक खर्च के रूप में ३२४६ रु० स्वीकृत किये गए।

११. प्रोफेसर डी० एन० धनागरे, समाज शास्त्र विभाग, पूना विश्वविद्यालय, पुणे: जुलाई १९८१ में लन्दन विश्वविद्यालय में हुए आधुनिक दक्षिण एशियाई अध्ययन संबंधी सातवें यूरोपियन सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक ओर का इकानामी श्रेणी का हवाई किराया स्वीकृत किया गया।

१२. डा० कृपाल सिंह, रीडर, इतिहास विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला: "पंजाब के विभाजन के संबंध में चुनिन्दा दस्तावेज" पर अपने अनुसंधान के संबंध में लन्दन का दौरा करने के लिए एक ओर का इकानामी श्रेणी का हवाई किराया स्वीकृत किया गया ।

१३. मेस० अमीता दास, ६ फैजाबाद रोड, लखनऊ-७: इण्डिया आफिस लायब्रेरी, पब्लिक रिकार्डस आफिस तथा ब्रिटिश संग्रहालय में उपलब्ध अभिलेखों का निरीक्षण करने के लिए इग्लैण्ड का दौरा करने के वास्ते दोनों ओर का इकानामी श्रेणी का हवाई किराया स्वीकृत किया गया।

१४. प्रोफेसर एस० बी० देव, निदेशक तथा अध्यक्ष, पुरातत्व विभाग, दक्कन कालेज, पुणे: कैम्ब्रज में ५ से १० जुलाई १९८१ तक हुए दक्षिण एशियाई पुरातत्वविदों के छठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक ओर का इकानामी श्रेणी का हवाई किराया स्वीकृत किया गया।

१५. डा० उषा अग्रवाल, नई दिल्ली: '१५५० से १८५० तक भारतीय उप महाद्वीप के उत्तरी भागों की ऐतिहासिक एटलस' संबंधी अपने अध्ययन के बारे में दिल्ली से तुर्की तथा वापसी का दोनों ओर का इकानामी श्रेणी का हवाई किराया स्वीकृत किया गया ।

१६. प्रोफेसर ए० सी० बोस, कार्यकारी सम्पादक, क्षेत्रीय संस्कृति केन्द्र, इतिहास तथा भाषाएं, जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू: मार्च १९८१ में बंगला देश इतिहास परिषद के वार्षिक अधिवेशन में भाग लेने के लिए ८०० रु० स्वीकृत किये गए ।

परिशिष्ट–V

अध्ययन/यात्रा/फुटकर अनुदान

वर्ष के दौरान स्वीकृत अध्ययन/यात्रा/फुटकर अनुदानों की सूची नीचे दी गई है। राशि कोष्ठक में दी गई है।

१. *श्री एम० कालियामूर्ति, सहायक प्रोफेसर, इतिहास, राजकीय कला* कालेज (पुरुष), नामाक्कल, तमिलनाडु, '३०० ए० डी० से ७०० ए० डी० तक उत्तरी भारत की भौतिक संस्कृति' (२,००० रु०)।

२. श्रीमती एम० एस० चूडामणि, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन इतिहास और पुरातत्व विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 'कर्नाटक मूर्तिकला और चित्रकारी में नृत्य और अन्य ललित कलाएं' (प्रारम्भिक चालुक्य काल से विजयनगर काल तक) (३,००० रु०)।

३. श्री के० एस० पिल्लै, सहायक प्रोफेसर, तेलुगु, एल० एन० राजकीय कालेज पोन्नेरी, तमिलनाडु, 'केयुरमाहु चरित्र मंचन' का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (२००० रु०)।

४. श्रीमती कल्पना एम० परान्जपे, अनुसंधान अध्येता, दर्शन शास्त्र विभाग, पूना विश्वविद्यालय, पुणे, 'मानव के इतिहास में दार्शनिक, वैज्ञानिक और धार्मिक विचारधारा की शुरुआत और इसमें भारत का योगदान' (१३०० रु०)।

५. श्री जी० टी० सावंत, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, आर० के० तलरेजा कला, विज्ञान तथा वाणिज्य कालेज, उल्हासनगर, जिला थाना, महाराष्ट्र, '८०० से १२०० ए० डी० तक सैलहारों का इतिहास' (३००० रु०)।

६. मेस० रोशन दलाल, अनुसंधान अध्येता, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'गंगा-यमुना दोआब का ऐतिहासिक भूगोल' (३००० रु०)।

७. श्री ओम प्रकाश मिश्र, भारत विद्या और संग्रहालय विज्ञान में उच्च अध्ययन केन्द्र, भोपाल, 'म० प्रदेश के संग्रहालयों में सक्ति मूर्तियों का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (२,५०० रु०)।

८. श्री चन्द्र शेखर कालिया, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ, 'दसवीं शताब्दी ए० डी० में उत्तरी भारत का सामाजार्थिक इतिहास' (३,००० रु०)।

९. श्री विपनेश भारद्वाज, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ, 'अलेग्जेन्डर के आक्रमण के समय उत्तर-पश्चिमी भारत की सामाजार्थिक परिस्थितियां' (२,५०० रु०)।

१०. श्री नारायण तिवारी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 'ऋगवेद संहिता में फूल पत्तियों तथा अन्य वानस्पतिक टिप्पणियों का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (२,००० रु०)।

११. श्री अरुण कुमार सिंह, निदेशक, क्षेत्र खुदाई, भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, 'नवादा सहित गया जिले का पुरातत्व' (३,५०० रु०)।

१२. श्री भोज राज, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ, 'प्राचीन भारत में सामाजिक गतिशीलता' (३,००० रु०)।

१३. श्री ब्रजराज त्रिवेदी, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'महाभारत में चित्रित आर्थिक परिस्थितियां' (२,५०० रु०)।

१४. श्री राज देव दूबे, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'यज्ञवालक्य स्मृति का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (२५०० रु०)।

१५. श्री एस० वेंकटारमन, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन इतिहास और पुरातत्व विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास, 'तिरुमनक्कुली में श्री वामनपुरिस्वर मन्दिर का इतिहास और कला' (२००० रु०)।

१६. प्रोफेसर रेगिन डी सिल्वा, लेक व्यू, होली बंगन रोड, पो० बसई, जि० थाना, महाराष्ट्र, 'पुर्तगालों के अधीन बसई: सांस्कृतिक शिल्प और वाणिज्य' (२,५०० रु०)।

१७. श्री रजनीकान्त पंत, सहायक प्रोफेसर, इतिहास और भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 'सोसायटी तथा प्रौद्योगिकी-राजस्थान में कागज प्रौद्योगिकी का एक मामला अध्ययन' (२,५००रु०)।

१८. डा० ओम प्रकाश, रीडर, दिल्ली अर्थशास्त्र स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय, 'बंगाल में डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी: १६३०-१७२६' (४,५०० रु०)।

१९. प्रोफेसर जी० सी० पाण्डे, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद 'भारतीय संस्कृति के मूलभूत विचार' (२,५०० रु०)।

२०. श्रीमती देबलीना केजरीवाल, ई/३३, एम० आई० जी० फ्लेट्स, मायापुरी, नई दिल्ली-६४, 'युवा बंगाल और भारतीय पुनर्जागरण' (३,००० रु०)।

२१. कुमारी अनीता वर्मा, अम्बा सदन, ४६, अरबिन्द नगर, सुन्दरवास, उदयपुर, 'राजपूताना राज्यों पर ब्रिटिश आधिपत्य: १८१८-८५' (२,००० रु०)।

२२. श्रीमती कनक सिंह, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार, 'पटना जिले में स्वतंत्रता आन्दोलन का इतिहास: १८८५-१९४७' (३,००० रु०)।

२३. श्री बी० एस० नाथ, ३१ आर० आर० एम० आर० होस्टल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-५, 'उत्तर प्रदेश में क्रांतिकारी आन्दोलन: १९१९-१९४७' (२,५०० रु०)।

२४. श्रीमती स्मिता गुप्ता, प्राध्यापक, इतिहास, नवरोसजी वाडिया कालेज, पुणे-४११००१, 'पश्चिमी दक्कन में उपनिवेशीय वास्तुकला' (२,५०० रु०)।

२५. श्री पी० पी० बंसकोटा, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'ब्रिटिश सेना में गोरखाओं की भर्ती: १८१५-१९४५' (२,५०० रु०)।

२६. श्री फिलिप स्मारिका, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'उन्नीसवीं शताब्दी में ईसाई मिशनरियों की शैक्षिक गतिविधियां और त्रावणकोर सोसायटी पर उनका प्रभाव,' (२,५०० रु०)।

२७. डा० मृदुला अब्रोल, १२/२९, पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली-८, 'अवध में भारतीय राष्ट्रवाद में सामाजिक पुट: १९१९-१९४७' (३,५०० रु०)।

२८. श्री रणजीत सेन, ५८, लेक एवेन्यु, कलकत्ता-२६, 'बंगाल में ब्रिटिश शक्ति का विकास और बंगाली सोसायटी पर उसका प्रभाव: १६९८-१७८३' (३,००० रु०)।

२९. मेस० आर० टी० व्यास, २ गुण्डावडी, राजकोट-२, '१९वीं शताब्दी के दौरान गुजरात की संस्कृति के लिए स्वामीनारायणन मत का योगदान' (३,००० रु०)।

३०. श्री सुरंजन दास, १५/१६, जमीर लेन, कलकत्ता-१९, 'कलकत्ता की राजनीति में दंगे १९०५-४७: भाग लेने वाले लोगों की प्रकृति की जांच' (३,००० रु०)।

३१. श्री के० एस० शास्त्री, प्राध्यापक इतिहास, पूना विश्वविद्यालय, पुणे-७, '१८९३ से १९१० तक इम्पीरियल विधान परिषद में गैर सरकारी भारतीय सदस्य' (२,२०० रु०)

३२. श्री ए० मुरली, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली, 'आन्ध्र प्रदेश में राष्ट्रीय आन्दोलन में सामाजिक सहभागिता का स्वरूप और सामाजिक परिवर्तन: १९०५-३४' (३,५०० रु०)।

३३. श्री वाई० सी० गोन्डल, प्राध्यापक, रामजस कालेज, दिल्ली, 'अंग्रेजी में भारतीय उपन्यास में परम्परा और सामाजिक परिवर्तन' (२,००० रु०)।

३४. मेस० गिरिजा देवी टी० पी०, व्यालीलवीडु कारीकाडोम, बीच पो० आ०, त्रिवेन्द्रम-७, 'त्रावणकोर में पुलिस प्रशासन का इतिहास: १८००-१९०० ए० डी०' (२,५०० रु०)।

३५. श्री शिवकुमार सोलंकी, एम० आई० जी० ७, राम टेकरी, मन्दसौर, म० प्रदेश, 'भारतीय नवजागरण में आर्य समाज का योगदान तथा मध्य प्रदेश पर उसका प्रभाव' (३,००० रु०)।

३६. श्री ए० एम० देशपाण्डे, रीडर, इतिहास, पूना विश्वविद्यालय, पूना, 'महाराष्ट्र में जान ब्रिग्स' (२,००० रु०)।

३७. श्रीमती थोमस मैरी, फ्लेट-डी-३१६, सी० आई बी 'गैंगी' अनुसंधान केन्द्र, गेरगांव, बम्बई-६३ 'सी० एफ० एन्ड्रूयूज' (२,५०० रु०)।

३८. डा० (श्रीमती) एस० महाजन, एस-४१, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-२, नई दिल्ली, 'साम्राज्यवादी नीति और साधारण राजनीति: केन्द्र में मोरले मिनटो परिषद के कार्य का अध्ययन: १९१०-२०' (१,५०० रु०)।

३९. श्री नाथन राउल, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'उड़ीसा में राष्ट्रवाद और बौद्धिक विकास: १९००-३६' (२,५०० रु०)।

४०. श्री आर० मधु देवन नायर, कोकणनाज्हिन्जी वीडू, जि० कन्याकुमारी, तमिलनाडु, 'सर टी० माधव राव के अधीन त्रावणकोर' (३,५०० रु०)।

४१. श्री यू० एन० सिन्हा, दारा अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 'योग वशिष्ठ रामायण के संबंध में अध्ययन' (३,००० रु०)।

४२. मेस० मुगीता जी०, अनुसंधान, अध्येता, इतिहास विभाग, केरल विश्व-विद्यालय, त्रिवेन्द्रम, 'श्री मुलुम तिरुनल के अधीन त्रावणकोर का आर्थिक विकास' (२,५०० रु०)।

४३. मेस० चित्रा जोशी, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'कानपुर में श्रमिक शक्ति की संरचना और श्रमिक आन्दोलन के पहलू: १९१९-३९' (२,५०० रु०)।

४४. श्री राम० के० शर्मा, ६० ए, गेयर हाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'बिहार में जाति आन्दोलन: भूमिहार ब्राह्मण आन्दोलन' (३,००० रु०)।

४५. डा० अनिल जी० मुदविद्री, प्राध्यापक, समाजशास्त्र स्नाकोत्तर अध्ययन विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड, 'राव बहादुर तिरमल राव ईनामदार: १९ वीं शताब्दी उत्तरी कर्नाटक के आयाम और दृष्टिकोण' (२,५०० रु०) ।

४६. श्री एन० डी० मोहाया, सी-१३४, सेक्टर-१४, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 'पंजाब में साम्प्रदायिक दंगों का इतिहास: १९२२-४७ (२,००० रु०) ।

४७. मेस० विनय बहल, ६० डी-जनता फ्लैट्स, साकेत, नई दिल्ली, "टाटा इस्पात तथा लौह कम्पनी में श्रमिक आन्दोलन: १९२०-४६' (३,००० रु०)

४८. श्री पी० बी० गोपालकृष्णन, प्राध्यापक, आधुनिक इतिहास ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल, मदुरै, कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, 'तमिलनाडु में रंगवाद तथा राष्ट्रीय राजनीति: १९०५-१६,' (३,५०० रु०)।

४९. श्री पी० के० रे, ४२, ए, रामाकांत बोस स्ट्रीट, कलकत्ता, 'दीवान कोमुल सेन का जीवन' (१७८३-१८४४)' (२,००० रु०) ।

५०. कुमारी तुक तुक घोष, इतिहास विभाग, हिन्दू कालेज, दिल्ली, 'भारत में चावल का प्राचीन इतिहास' (३,५०० रु०)।

५१. श्रीमती जागृति दिवाकर, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, रांची विश्वविद्यालय रांची, 'राजेन्द्र प्रसाद और स्वतंत्रता आन्दोलन' (३,००० रु०) ।

५२. श्री टी० किचलू, ३७४०, कूचा परमानन्द, दरियागंज, दिल्ली-६, "सिखों के साथ डा० एस० डी० किचलू के राजनीतिक संबंध: १९१८-६३' (२,००० रु०) ।

५३. श्री एस० एन० केसरवानी, भोपाल, 'कचकनघाट स्मारकों के विशेष सन्दर्भ में ग्वालियर प्रभाग का पुरातत्व' (२,००० रु०) ।

५४. श्रीमती सिनथिआ देशमुख, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, भवन कालेज, अंधेरी, बम्बई-५८, बम्बई का आर्थिक इतिहास: १८५०-१९१४' (३,५०० रु०) ।

५५. श्री ए० के० सिंह, इतिहास विभाग, बी० पी० एस० कालेज, मोर गोपाल गंज, बिहार, '१८७६ से १८८६ तक भारत सरकार की विदेश नीति तथा लोक मत' (२,५०० रु०)।

५६. मेजर डी० बी० शर्मा, मुख्यालय, मेरठ उप क्षेत्र, मेरठ छावनी, '१९१४ से १९४५ तक सिख लाइट इन्फेन्ट्री रेजीमेंट का इतिहास' (३,५०० रु०)।

५७. श्री ई० क्रिश्त दास, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, केरल विश्वविद्यालय, करयावट्टम, त्रिवेन्द्रम, केरल, 'त्रावणकोर में औद्योगिक विकास का इतिहास: १९३६ से १९४७' (२,५०० रु०)।

५८. डा० एच० के० पुरी, *रीडर, राजनीति विज्ञान विभाग, गुरु नानक देव* विश्वविद्यालय, अमृतसर, 'गदर आन्दोलन: सैनिक राष्ट्रवाद का एक अध्ययन' (३,००० रु०)।

५९. डा० के० जी० खन्ना, रावेसडेल, शिमला-२, 'एंग्लो सिख संबंध: १८३९-४९ (३,००० रु०)।

६०. डा० सत्यकेतु विद्यालंकार, ए-१/३२, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली, 'स्वतंत्रता संग्राम अथवा १८५७ के महान गदर में साधुओं और सन्यासियों की भूमिका' (४,५०० रु०)।

६१. श्री महेश नारायण, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, जनपथ, नई दिल्ली, 'भारतीय राजनीति के प्रति स्वराज्यवादी दृष्टिकोण: १९२३-२८' (३,००० रु०)।

६२. श्री एस० सी० उपाध्याय, इतिहास विभाग, गोरखपुर विश्व-विद्यालय, गोरखपुर, 'जौनपुर जिले में स्वतंत्रता आन्दोलन: १८५७-१९४१' (२,५०० रु०)।

६३. श्री सुब्रमण्यम रेड्डी, प्राध्यापक, इतिहास, जवाहर भारती, कावली, आन्ध्र प्रदेश, 'आन्ध्र प्रदेश में ब्रिटिश राजस्व निपटाने के पहलू-कारनाटिक पोलीगारों का विद्रोह: चित्तूर पोल्लामों का एक मामला अध्ययन: १८०३-१८०५' (२५०० रु०)।

६४. श्री बी० ए० शर्मा १२९ गांधी नगर, मेरठ-२, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अन्दर विभिन्न वैचारिक वर्ग : १९०५–२९' (२,५०० रु०)।

६५. श्री बी० एल० जैन, अनुसंधान अधिकारी, साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, जयपुर, 'मेवाड में स्वतन्त्रता आन्दोलन और जाग्रति: १८५८-१९४९' (३,५०० रु०) ।

६६. श्री बी० पी० गणेश, शिक्षा विभाग, मराठवाडा कालेज, औरंगाबाद, महाराष्ट्र' ' अहिताग्नी राजवाडे : सांस्कृतिक इतिहास शास्त्र का एक अध्ययन' (३ ००० रु०) ।

६७. श्री बी० शंकरन नायर धरनीमोरीकम वेत्तूरनी मडोम, कन्याकुमारी जिला, तमिलनाडु, 'भारतीय राष्ट्रवाद की शैक्षिक समस्याएं' (३,००० रु०) ।

६८. श्रीमती बी० वर्धिनी बोहेरा, द्वारा श्री एस० एन० पाण्डे, चकबंदी अधिकारी बागुड, जि० सम्बलपुर, 'दक्षिण कौसल में शैववाद' (२,५०० रु०) ।

६९. श्री बी० एल० ग्रोवर, इतिहास विभाग, हंसराज कालेज, दिल्ली-७, 'भारतीय राष्ट्रवाद के प्रति ब्रिटिश नीति संबंधी चुनिन्दा दस्तावेज और भारतीय प्रतिक्रिया खण्ड II : १९१०-१९१९' (३,५०० रु०) ।

७०. श्री आर० आर० सिंह, इतिहास विभाग, खालसा कालेज, मटुंगा, बम्बई, 'बम्बई का इतिहास : १८६५-१८८५' (२,५०० रु०) ।

७१. श्री के० पाणिकर, प्राध्यापक, इतिहास सोमैय कालेज, विद्याविहार, बम्बई, 'बम्बई का इतिहास : १९०८–१९२८' (२,५००,रु०) ।

७२. श्री आर० एस० माथुर, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, 'अकबर से औरंगजेब तक, हाडों के विशेष संदर्भ में, मुगल राजपूत संबंध' (३,००० रु०)।

७३. डा० मारुति नन्दन प्रसाद तिवारी, प्राध्यापक, इतिहास और कला विभाग, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'उत्तरी भारत में कुछ छोटे जैन देवताओं का प्रतिमा विज्ञान' (२,५०० रु०) ।

७४. डा० (कुमारी) प्रतिपाल भाटिया, ई-७/७, वसंत विहार, नई दिल्ली, 'प्राचीन काल से ३०० ए०डी० तक प्राचीन भारतीय उप-महाद्वीप की मुद्रा शास्त्रीय एटलस' (३,५०० रु०) ।

७५. डा० कमल गिरि, प्राध्यापक, कला इहितास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 'गुजरात के चालुक्यों (सोलकी) का सांस्कृतिक इतिहास, जैसा कि उनकी मूर्तियों में प्रदर्शित है,' (२,५०० रु०)।

७६. डा० राज कुमार, अनुसंधान अधिकारी, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, ३५, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली, 'भारतीय राजनीति में एनी बिसेंट की शक्ति में वृद्धि : १९१४–१९१७' (४,५०० रु०)।

७७. श्री जगर मोहम्मद अनुसंधान अध्येता इतिहास विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली, 'मुगलों के अधीन अवध सूबे में मदद-ए-माश का अध्ययन : १५५६–१७४८' (३००० रु०)।

७८. श्री बोन्थाकटिया मेसु, अनुसंधान अध्येता, तेलुगु विभाग, नागार्जुन विश्व-विद्यालय, नागार्जुन नगर, गुन्टुर, 'तेलुगु साहित्य में दिगम्बर कविता' (२,५०० रु०)।

७९. श्री दिवाकर तिवारी, अनुसंधान अध्येता, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'महाभारत में राज्य की संकल्पना' (२,००० रु०)।

८०. श्री पी० एन० नरसिम्हामूर्ति, प्राध्यापक, इतिहास, श्री भुवनेन्द्र कालेज, करकला, 'कनारा तट पर जैन धर्म,' (२,००० रु०)।

८१. श्री एस० रवीचन्द्रन, अनुसंधान फैलो, दक्षिण और पूर्व एशियाई अध्ययन केन्द्र, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास, 'श्री लंका में तमिल आप्रवासियों की समस्याएं' (२,००० रु०)।

८२. श्री डी० के० भट्टाचार्य, १९०, टेगोर पार्क दिल्ली-९, 'भारत में पुरापाषाणिक पूर्व-इतिहास की यूरोप के साथ तुलना' (२,५०० रु०)।

८३. श्री कुमार अमरेन्द्र सिंह, क्वार्टर नं० ३, टाईप III, तिमारपुर, दिल्ली, 'वकतकों के अधीन सामाजिक तथा आर्थिक जीवन,' (२,००० रु०)।

८४. कुमारी जयसूर्य, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन इतिहास तथा पुरातत्व विभाग 'मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास, ७०० ए०डी० तक प्राचीन तमिल सोसाइटी में व्यापार समुदाय' (१,६०० रु०)।

८५. श्री रजनी पंत, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय,

जयपुर, 'ऋगवेद में विश्वोत्पति संबंधी विचारों का मूल्यांकन,' (१,५०० रु०)।

८६. श्रीमती नीरा बेदी, ८६, न्यू कैलाश हाल, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 'हूण और भारतीय संस्कृति पर उनका प्रभाव,' (१,५०० रु०)।

८७. मेस० स्नेह लता, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्व-विद्यालय, दिल्ली, 'गुजरात और राजस्थान में ब्राह्मण बस्तियां : ६००-१०००' (१,५०० रु०)।

८८. श्री जी० के० खुराना, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 'पंजाब में सिख शक्ति संबंधी ब्रिटिश इतिहास शास्त्र का मूल्यांकन और व्याख्या : १७०८–१८४६' (१,००० रु०)।

८६. श्री शेख रमजान, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, मराठवाडा शिक्षा कालेज, औरंगाबाद, 'मध्यकालीन औरंगाबाद : एक सांस्कृतिक अध्ययन' (२,००० रु०)।

६०. श्री बलबीर सिंह मलिक, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 'हरियाणा में कृषि परिस्थितियां : १८०३-१८५८ ए०डी०' (२०० रु०)।

६१. श्री हरीश चन्द्र टिक्कीवाल., प्राध्यापक, इतिहास और भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 'खतूत अहलकरण राजस्थानी शृंखला, १६३३ से १७६६ ए०डी०' (भूतपूर्व जयपुर राज्य के बीच आदान-प्रदान किए गए पत्र), (३,००० रु०)।

६२. श्री रियाज अहमद अन्सारी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, 'मध्यकालीन दौलताबाद : एक सांस्कृतिक अध्ययन' (२,००० रु०)।

६३. कुमारी संध्या रानी, अनुसंधान अध्येता, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 'अकबर की राजनीतिक और आर्थिक नीतियों की अपर्याप्तताएं और असंतुलन' (२,००० रु०)।

६४. श्री मेजर कुमार झा, अनुसंधान अध्येता, भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर, 'खान दौला वंश के अधीन मिथिला : १५५६–१७४७' (१,५००,रु०)।

९५. श्री जे० पी० शर्मा, अनुसंधान अध्येता, जिवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, 'ग्वालियर राज्य के सौ वर्ष : विशेषतया राजनीतिक चेतना के संदर्भ में १८५७–१९४८' (२,००० रु०) ।

९६. डा० एन० के सिंह, ए०-३९९, आवास विकास कालोनी, शास्त्रीनगर, मेरठ, पूर्वी उत्तर प्रदेश में लोगों की भूमिका के विशेष संदर्भमें, भारत छोड़ो आन्दोलन : एक सामाजिक-राजनीतिक अध्ययन : १९४२–४५' (२,००० रु०) ।

९७. श्री काले एम० वासुदेव, ३९, महेश श्रीतीर्थ सोसाइटी, विष्णुनगर, थाणे, जोनथन डंकन 'बम्बई का राज्यपाल : १७९५-१८११' (२,००० रु०)।

९८. डा० घनश्याम नारायण सिंह, गया कालेज, गया, 'बिहार के जनजातीय क्षेत्र में सामाजार्थिक परिवर्तन १९३९–४९' (२,००० रु०) ।

९९. श्री विजय कचरू, पी० जी० डी० ए० वी० कालेज, दिल्ली, 'असहयोग आन्दोलन के प्रति पंजाब की प्रतिक्रिया : १९२०-२३' (२,००० रु०) ।

१००. श्री चन्दन सौरव मित्रा, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'कांग्रेस तथा किसान : उत्तर प्रदेश : १९१९-१९४३' (२,००० रु०) ।

१०१. श्री एस० सी० पांधी, इतिहास विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, '१८०३ से १९०५ तक उड़ीसा के राजाओं और चीफों के साथ ब्रिटिश संबंध' (१,५०० रु०) ।

१०२. श्री टी० के० जी० नायर, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई, 'हैदराबाद में ब्रिटिश नीति: १८१८-१८५३' (२,५०० रु०) ।

१०३. श्री सी० बालकृष्णन, अनुसंधान अध्येता, भारतीय इतिहास विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास, '१९०० तक तमिलनाडु में तकनीकी शिक्षा का इतिहास' (७०० रु०) ।

१०४. श्री चितरजन पांडा, प्राध्यापक, इतिहास, वर्दवान विश्वविद्यालय, वर्दवान, 'क्षेत्रीय स्तर पर विकास की पद्धति तथा उदीयमान सामाजिक वर्गों से सम्बंधित समस्याएं' (२,००० रु०) ।

१०५. डा० राणा प्रताप बहल 'अनुसंधान अध्येता, ऐतिहासिक अध्ययन

केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'असम घाटी चाय बागानों में श्रमिकों की स्थितियां: १९००-१९४७' (१,००० रु०) ।

१०६. श्री हरि मोहन अग्रवाल, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 'बनारस तथा इलाहाबाद प्रभागों में क्रांतिकारी आन्दोलन का इतिहास: १९०५-३७' (२,००० रु०)।

१०७. प्रोफेसर ए० गणेश, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, सरस्वती नारायण कालेज मदुरै, 'तमिलनाडु में समाचार पत्र और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष: १९१७-३७' (७०० रु०) ।

१०८. डा० सुरजीत सिंह, अबुलास लेन, पटना-४, 'संयुक्त राष्ट्र में अफ्रीकी-एशियाई गुट का उदय और भूमिका: एक ऐतिहासिक विश्लेषण' (२,००० रु०) ।

१०९. श्री वी० रामचन्द्रन रेड्डी, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन इतिहास तथा संस्कृति विभाग, नागार्जुन विश्वविद्यालय, नागार्जुन नगर, गुन्टूर, तटीय आन्ध्र प्रदेश में सामुदायिक आन्दोलन का इतिहास' (६४९ रु०)।

११०. श्री वी० वाई० डी० रमन, प्राध्यापक, इतिहास, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय कालेज, तिरुपति, 'रायल सीमा के विशेष संदर्भ में अकाल: १८३३-९७' (१,३५४ रु०) ।

१११. डा० एस० के० मित्तल, इतिहास विभाग, मेरठ कालेज, मेरठ, 'राष्ट्रीय आन्दोलन के कालक्रम के संदर्भ में' (२,००० रु०) ।

११२. श्री जे० पी० सोधा, अनुसंधान अध्येता, इतिहास और संस्कृति विभाग, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद 'जूनागढ की आरिजी हुकुमत' (१,१५० रु०) ।

११३. श्री सुनीता पठानिया, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 'सोवियत-तुर्की संबंध: १९४५-६५' (२,००० रु०) ।

११४. श्री प्रवीण प्रकाश, ७८, गेयर हाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'सौन्दरनन्दा में अश्वघोसा का सौन्दर्यशास्त्र-काव्य तथा अजन्ता की कला के कुछ महत्वपूर्ण विषय' (१,९०० रु०) ।

११५. श्री सशंक शंकर पाण्डा, बौद्ध धर्म अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्व-विद्यालय, दिल्ली, 'बौद्ध धर्म तथा जगन्नाथ की विचारधारा के बीच परस्पर-संबंध का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (२,५०० रु०) ।

११६. श्री एस० के० सीताम्पलम, पुरातत्व विभाग, दक्कन कालेज, पूना, 'श्री लंका की महापाषाण संस्कृति' (२,००० रु०) ।

११७. श्री सुरेश वसंत यादव, ४६, कोरेगांव पार्क, पुणे-१, 'जुन्नार की बौद्ध शिला-एवं वास्तुकला' (२,५०० रु०) ।

११८. श्री भाकमदेव नारायण प्रसाद, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'प्राचीन भारत के कुछ बौद्ध विश्वविद्यालयों-नालन्दा, तक्षिला, और बिक्रमशीला की भौतिक संस्कृति' (२,५०० रु०) ।

११९. श्री बिट्टू वेंकटेश्वरुलु, अनुसंधान अध्येता, तेलुगु विभाग, नागार्जुन विश्वविद्यालय नागार्जुन, गुन्टूर, 'पलन्ती कोलाटम' (२,५०० रु०) ।

१२०. कुमारी जेड० एम० पठान, अनुसंधान अध्येता, 'मध्यकालीन कर्नाटक के लघु राजवंश-एक अध्ययन' (२,००० रु०) ।

१२१. कुमारी नीना सक्सेना, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'खलजिओं और तुगलकों के विशेष सदर्भ में १४वीं शताब्दी के दौरान कृषि संबंध' (२,५०० रु०)।

१२२. डा० आर० पी० सिंह, इतिहास विभाग, अलीपुर कालेज, दिल्ली, 'भारत के केन्द्रीय विधान का विकास: १९०९-३५' (६७० रु०)।

१२३. श्री के० के० अग्रवाल, 'इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर, '२०वीं शताब्दी में छतीसगढ़' (२,५०० रु०) ।

१२४. श्री ओरेस्टेस रोसंगा, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'मिजो सोसायटी में गुलामी के विशिष्ट संदर्भ में मिजोरम का सामाजार्थिक इतिहास (१८२५-१९४७)' (२,५०० रु०)।

१२५. श्री एम० के० जोशी, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'अमरीकी सोसायटी में कालों का स्थान: सिविल युद्ध दशक संबंधी वाद-विवाद का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (२,५०० रु०) ।

१२६. डा० बी० दास, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, उत्कल विश्व-विद्यालय, भुवनेश्वर, 'उड़ीसा में बौद्ध प्रतिमा विज्ञान' (२,५०० रु०)।

१२७. श्री बी० बी० हमब्राडे, इतिहास विभाग, श्री डायनामेश महाविद्यालय, महाराष्ट्र, 'पेशवा-गायकवाड संबंध: १७२० १८१८' (२,००० रु०)।

१२८. डा० मोहिन्दर सिंह, रीडर, इतिहास विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 'अकाली आन्दोलन के सबध में कुछ चुनिन्दा दस्तावज' (३,००० रु०)।

१२९. कुमारी अरुणधती विरमानी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, १७८९-१८७० के बीच फ्रांस में सामाजिक श्रेणियां तथा सामाजिक आन्दोलन' (३,००० रु०)।

१३०. श्री रतन सिंह, इतिहास विभाग, स्वामी श्रद्धानन्द कालेज, दिल्ली, 'पंजाब राजनीति कांग्रेस: १९२०-३४' (१,००० रु०)।

१३१. डा० सी० बी० पाण्डेय, डी-१, डी० डी० ए० फ्लेट्स, मालवीय नगर एक्सटेंसन, नई दिल्ली, 'महिषासुर मर्दिनी का अध्ययन' (२,५०० रु०)।

१३२. श्री लाल साहब राव, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, 'विनय पत्रिका में सभ्यता की झलक' (२,५०० रु०)।

१३३. श्री अमल कुमार झा, आई० टी० बी० पी० तिगरी कैम्प, नई दिल्ली ६२, 'प्राचीन अ-अंकित ढलवा तांबे के सिक्के' (२,००० रु०)।

१३४. श्री जितेन्द्र बहादुर सिंह, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'जैन पद्म पुराण का सांस्कृतिक अध्ययन' (१९८४ रु०)।

१३५. कुमार तन्द्रा दत्ता, इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर (म० प्र०)' कलाचूड़ी कालीन छत्तीसगढ (दक्षिण) कोश का सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक इतिहास: १०००-१२२५'(२,०००रु०)।

१३६. श्रीमती शशिलता भार्गव, सी २४०, दयानन्द मार्ग, तिलक नगर, जयपुर, 'गुप्त सिक्कों का एक अध्ययन' (२,००० रु०)।

१३७. श्री अरुण कुमार खन्ना, १३, पेरियार होस्टल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-६७, 'हड़प्पा मृतिका का कार्यात्मक विश्लेषण (२,९७५ रु०)।

१३८. श्री रामजीत विश्वकर्मा, भारतीय औषध संकाय, भेषज विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ० प्र०) 'वैदिक साहित्य में शल्य बीमारियों का एक अध्ययन' (२,००० रु०)।

१३९. डा० अखिलेश्वर सिंह, राजनीतिक विज्ञान विभाग, गुमला कालेज, गुमला, रांची-८३५२०७, 'डा० श्रीकृष्ण सिन्हा: आधुनिक विहार के निर्माता (स्वतंत्रता आन्दोलन तथा उसके बाद (१९३७-६१) उनकी भूमिका का एक आलोचनात्मक अध्ययन)' (२,५०० रु०)।

१४०. श्रीमती गायत्री सिंह, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उ० प्र०, 'उ० प्र० में पत्रकारिता का इतिहास: १९००-१९४७' (२,००० रु०)।

१४१. डा० वी० डी० मिश्रा, सी २६/४७, बाग कन्हैयालाल, कोटी मलढिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, '१८४३ से १९०० तक उ० प्र० में माध्यमिक शिक्षा का इतिहास' (२,००० रु०)।

१४२. श्री सदाशिव प्रधान, द्वारा डा० पी० के मिश्रा, रीडर, स्नाकोत्तर इतिहास विभाग, सम्बलपुर विश्वविद्यालय, सम्बलपुर-७६८०१७, 'उड़ीसा के सामंतवादी राज्यों में कृषि क्रांति और राजनीतिक परिवर्तन: १९३१-१९४९' (२,५०० रु०)।

१४३. डा०के० एम० मैथ्यू, फ्लेट डी/४, 'अब्फा,' 'एस०टी०ए०, आई०एन०ई० जेड़, पणजी, गोआ-४०३००१, 'सर शंकरण नायर, वायसराय के कार्यकारी सलाहकार के रूप में उनकी भूमिका: १९१५-१९१९ (२,५०० रु०)।

१४४. श्री वी० एम० भगवतकर, इतिहास विभाग, भारतीय महाविद्यालय, अमरावती (महाराष्ट्र), 'भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में रायल इण्डियन नेवी के फरवरी १९४६ की बगावत का योगदान' (२,५०० रु०)।

१४५. डा० हरि सेन, बी ४,७४ सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली-१६, '१९वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध तथा २०वीं शताब्दी के प्रारम्भ में मेवाड में लोकप्रिय आन्दोलन और विरोध अभियान,' (२,५०० रु०)।

१४६. कुमारी वन्दिता वर्मा, इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ० प्र०, 'कांग्रेस समाजवादी दल का गठन और विकास: ३-१९४२' (२,४०० रु०)।

१४७. श्री अशोक कुमार पटेल, द्वारा डा० पी० के मिश्रा, क्वा० नं० सी-२३, ज्योति विहार, बुरला, सम्बलपुर-७६८०१७, 'उड़ीसा में शिक्षा के विकास और राजनीतिक जागरूकता का सामाजिक प्रभाव: १८५४-१९२०' (२,५०० रु०) ।

१४८. श्री पारस नाथ तिवारी, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, पटना विश्व-विद्यालय, पटना, 'बिहार में ग्रामीण सोसायटी: १७९३-१८३३' (२,५०० रु०)।

१४९. श्रीमती सुमित्रा मित्रा, १०/३, देवदार स्ट्रीट, बालीगंज, कलकत्ता-१९, पं० बंगाल, '१९२० से १९४७ तक मनभूम जिले के सदर उप-प्रभाग का स्वतंत्रता आन्दोलन' (२,५०० रु०) ।

१५०. श्रीमती ए० मुनीम पाशा एस० आई० ए०, ज० ने० वि०, नई दिल्ली, 'भारत, संयुक्त राष्ट्र तथा रंगभेद का प्रश्न: रंग भेद के सभी स्वरूपों को समाप्त करने के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का अध्ययन' (२,००० रु०)

१५१. श्री एम० के० चन्दा, एल० आई० जी० फ्लेट्, ब्लाक १, फ्लेट ६, ३७, बेलगाचिआ रोड़, कलकत्ता-३७, '१७८० से १८५२ तक बंगाल में अंग्रेजी प्रेस का इतिहास' (२,००० रु०)।

१५२. पुष्पा अग्रवाल, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'उत्तर प्रदेश का राजनीतिक आन्दोलन: १९२७-१९३५' (२,००० रु०) ।

१५३. श्री विकास चन्द्र महापात्र, द्वारा श्री एस० के० मोहन्ती, कमरा नं० १०२, जुबली हाल, माल रोड, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-७, 'एक अध्ययन-उड़ीसा में तिमिराच्छन्न बौद्ध समुदाय (२,००० रु०)।

१५४. डा० एस० पी० गुप्ता, कीपर, राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ, नई दिल्ली, 'भारतीय तांबा भण्डार' (२,००० रु०) ।

१५५. प्रोफेसर जी० बी० जोशी, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, फर्गुसन कालेज, पूना, '१८वीं शताब्दी में सामाजिक जीवन-महाराष्ट्र' (२,५०० रु०) ।

१५६. श्रीमती सुभा चक्रवर्ती, द्वारा श्री ए० एन० मित्रा, ४९/१, सरदार शंकर रोड़, कलकत्ता-२९, 'पूर्वी भारत में स्वदेशी उद्यम, १७५९-१८३३' (२,००० रु०) ।

१५७. श्री एम० एल० शर्मा, इतिहास विभाग, डी० जे० कालेज, बड़ौत, मेरठ (उ० प्र०) 'पंचतन्त्रम का सांस्कृतिक अध्ययन (हिन्दी में)' (२,००० रु०)।

१५८. श्री हेमानन्द झा, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-७, 'राजस्व प्रणाली का अध्ययन (उ० प्र०) बिहार, प० बंगाल, असम और उड़ीसा क्षेत्र तक सीमित) : ५५० ए० डी० ७५० ए० डी०' (२,५०० रु०)।

१५९. श्री जी० एन० द्विवेदी, दि न्यू चेज, तल्ली ताल, नैनीताल, उ० प्र०, 'कुमाऊं-गढ़वाल में पाई गई पत्थर मूर्तियों का विवरणात्मक सूची-पत्र तैयार करना' (३,००० रु०)।

१६०. डा० एस० के० शुक्ल, इतिहास विभाग, जाकिर हुसैन कालेज, दिल्ली-६, १५वीं और १६वीं शताब्दियों के दौरान बिजयगनर साम्राज्य का विदेश व्यापार' (२,५०० रु०)।

१६१. श्री शरद कुमार मलिक, कमरा न० १४, गर्ल्स हाल, दिल्ली विश्व-विद्यालय एनक्लेव, दिल्ली ७, 'त्रिपुरी के कलाचूड़ियों के अधीन आर्थिक जीवन' (२,५०० रु०)।

१६२. कुमारी अमृता दास पश्चिमी इतिहास विभाग, लखनऊ विश्व-विद्यालय, लखनऊ, 'ब्रिटिश-इण्डिया की विदेश नीति पर रूसी विस्तारवाद का प्रभाव: १८३६-१८८५' (२,००० रु०)।

१६३. श्री एम० अरुमईराज, अनुसंधान अध्येता, भारतीय इतिहास विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास, 'तमिलों का राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन, जैसा कि पुर्तगाली जेस्यु पत्रों से पता चलता है (१,००० रु०)।

१६४. श्री के० चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर, सी एच एस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'प्राचीन मध्यकालीन बंगाल के संस्कृतिकरण की प्रक्रिया के धार्मिक पहलू' (२,५०० रु०)।

१६५. श्री वी० सुन्दर राम शास्त्री, अध्यक्ष, इतिहास विभाग एफ० ए० एस० कालेज, पेडन्डीपाडु (अनुसंधान अध्येता, नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुन्तूर), 'आन्ध्र प्रदेश के प्राचीन इतिहास का वैष्णुकुन्दीन चरण' (१,५०० रु०)।

१६६. श्री ओ० बी० शर्मा, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, एस जी आर आर कालेज, देहरादून, उ० प्र० 'अन्तरवेद के क्षेत्र में प्राचीन नगर' (२,५०० रु०)।

१६७. प्रोफेसर ए० सी० बोस, न्यू क्वार्टर्स, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, मार्च १९८१ में बंगलादेश इतिहास परिषद के वार्षिक अधिवेशन में भाग लेने के लिए (८०० रु०)।

उपरोक्त दिये गए अध्ययन/यात्रा/फुटकर अनुदानों की स्वीकृति के अलावा निम्नलिखित चालू अध्ययनों के लिए अध्ययन/यात्रा/फुटकर अनुदान अनुमोदित किये गए:

१. श्री मोहम्मद तैयब, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 'मुगलों के अधीन अवध का सूबा (१५८०-१७२४)' (५०० रु०)।

२. श्री रतन सिंह, इतिहास विभाग, स्वामी श्रद्धानन्द कालेज, दिल्ली 'पंजाब राजनीति में कांग्रेस: १९२०-३४' (१,०००रु०)।

३. श्रीमती गीता बाजपेयी सी-३५७, पेट्रो-रासायनिक टाउनशिप; सेक्टर १, जवाहरनगर, बड़ोदा, 'संक्रमण काल में बड़ोदा: १८६०-८०' (१,५०० रु०)।

४. श्री एन० डी० मोहाया, सी-१३४, सेक्टर १४, चण्डीगढ़, 'पजाब में साम्प्रदायिक दगों का इतिहास: १९२२-४७' (२,००० रु०)।

५. श्री पी० बी० गोपालकृष्णन, प्राध्यापक, आधुनिक इतिहास, ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, 'तमिलनाडु में रंगभेद तथा राष्ट्रीय राजनीति: १९०५-१६' (१,५०० रु०)।

६. श्री डूंगर सिंह अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, 'लार्ड चेम्सफोर्ड और भारतीय राजनीति: १९१६-२१: (२,००० रु०)।

परिशिष्ट–VI

ऐतिहासिक कृतियों के प्रकाशनार्थ आर्थिक सहायता

जिन शोध निबंधों/रिपोर्टों/कार्यवाहियों/पाण्डुलिपियों के लिए आर्थिक सहायता अनुमोदित की गई उनकी सूची निम्नलिखित है:

१. डा० राधा रानी उपाध्याय, द्वारा यू० एन० पाण्डेय, प्रभात कुंज, दिल्ली दरवाजा, फैजाबाद-१. 'चरक संहिता में सामग्री का अध्ययन'।

२. डा० (श्रीमती) एम० जे० वर्मा, प्राध्यापक, इतिहास, इतिहास विभाग, पूना विश्वविद्यालय, पूणे, 'माउन्ट स्टुवर्ट एलफिन्स्टन'।

३. डा० मनोहर सिंह रानावत, 'श्री नटनागर शोध संस्थान, सीतामऊ, मालवा-९०, 'इतिहासकार मुहनोट सिरजी और उनके इतिहास ग्रन्थ'।

४. महामंत्री, आन्ध्र प्रदेश इतिहास कांग्रेस, वी० एस० एम० कालेज, रामचन्द्रपुरम, 'आन्ध्र प्रदेश इतिहास कांग्रेस के तीसरे अधिवेशन की कार्यवाही'।

५. सचिव, भारतीय इतिहास कांग्रेस, कमरा नं० ७३–७४, आई०आई०पी०ए० होस्टल बिल्डिंग, आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली-२, 'भारतीय इतिहास कांग्रेस के ४०वें (वाल्टेयर) अधिवेशन की कार्यवाही'।

६. सचिव, भारतीय इतिहास और संस्कृति सोसायटी, राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ, नई दिल्ली, 'भारतीय इतिहास और संस्कृति सोसाइटी के चौथे अखिल भारतीय सम्मेलन की कार्यवाही'।

७. अध्यक्ष, स्नातकोत्तर इतिहास अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 'ऐतिहासिक अध्ययन पत्रिका'।

८. डा० (श्रीमती) के० ललिता, इतिहास विभाग, सेंट जोसफ महिला कालेज, वाल्टेयर 'आन्ध्र प्रदेश में विरासईनिज्म'।

९. डा० नलिनि नागराजु, १२३३, ३४ क्रास IV, 'टी' ब्लाक, जय नगर, बंगलौर, 'चालुक्यन कला'।

१०. डा० (श्रीमती) ऊषा रानी बंसल, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्व-विद्यालय, वाराणसी, भारत सरकार सामाजिक कल्याण कार्यकलाप : १९४७-५१' ।

११. डा० एस० जी० महाजन, पूना विश्वविद्यालय क्वार्टर्स, पुणे-७, 'पश्चिमी महाभारत में सार्वजनिक पुस्तकालय अभियान का इतिहास: १८०५-१९२६'।

१२. डा० गोपाल वल्लभ व्यास, ५९, कर्मशील मार्ग, भरमपोल गेट, उदयपुर-१, '१८वीं और १९वीं शताब्दियों के दौरान मेवाड़ के सामाजार्थिक जीवन के कुछ पहलू' ।

१३. डा० आर० एन० मिश्रा, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व अध्ययन स्कूल, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर-२, 'धाला और दक्षिण कौशल की मूर्तियां तथा उनकी पृष्ठभूमि: कालाचारी चरण' ।

१४. अवैतनिक सचिव, भारतीय प्राच्य कला सोसाइटी, १७, पार्क स्ट्रीट (थर्ड फ्लोर), कलकत्ता-१६, 'भारतीय प्राच्यकला सोसायटी पत्रिका' । (खण्ड ११) ।

१५. महासचिव, भारतीय पूर्व-ऐतिहासिक तथा चतुर्भागात्मक अध्ययन सोसायटी, भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, नवरंगपुर, अहमदाबाद, 'मानव और पर्यावरण' (पत्रिका का खण्ड ४ और ५) ।

१६. महासचिव, कलकत्ता ऐतिहासिक सोसायटी, विजय मंजिल, १०-ए, डयमंड हारबर रोड, कलकत्ता, 'बंगाल, विगत और वर्तमान (पत्रिका का खण्ड XCIX भाग १ और २) ।

१७. सचिव, कुप्पुस्वामी, शास्त्रीय अनुसंधान संस्थान, मायलापोर, मद्रास, 'प्राच्य अनुसंधान पत्रिका' ।

१८. निदेशक, ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 'पंजाब इतिहास सम्मेलन के चौदहवें अधिवेशन की कार्यवाही ' ।

१९. डा० रामबक्स जाट, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, एम०डी० विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा), 'प्रेमचन्द और भारतीय किसान' (हिन्दी में) ।

२०. डा०के० एल० टूटेजा, प्राध्यापक, इतिहास, डी-२४, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र- १३२११९, 'सिख राजनीति : १९२०–४०' ।

२१. डा० अरुणा सिन्हा, ४५ टीचर्स फ्लेट्स, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, 'लार्ड रीडिना की वाइसराई : १९२१–२६'।

२२. डा० एस० पी० शुक्ला, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्व विद्यालय, कुरुक्षेत्र, 'हरियाणा में स्वतन्त्रता आन्दोलन: १९३९–४५'।

२३. डा० (कुमारी) सरिता हांडा, एम।३, मोहन लाज, लेडीज कालोनी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'दर्शन और औषध के विशेष संदर्भ में अग्निपुराण का अध्ययन' (हिन्दी में)।

२४. डा० एम० एम० जुनेजा, प्राध्यापक, इतिहास, सी० आर० एम० जाट कालेज, हिसार-१२५००१, 'हरियाणा के विख्यात स्वतन्त्रता सेनानी'।

२५. डा० गंगा प्रसाद यादव, रीडर और अध्यक्ष, स्नातकोत्तर इतिहास अध्ययन विभाग, डी० जैन कालेज, बड़ौत, मेरठ, 'धनापाला और उसका युग उसकी कृतियों पर आधारित एक सामाजिक सांस्कृतिक अध्ययन'।

२६. डा० (श्रीमती) सरोजा सुन्दराजन, प्रिंसिपल, अवैच्यर राजकीय महिल कालेज, कराईकल, पाण्डिचेरी राज्य, 'एस० सत्यमूर्ति : एक राजनीतिव जीवनी'।

२७. डा० पी० एन० चक्रवर्ती, ९४, 'ए', आरत घोष गार्डन रोड़, कलकत्ता 'एंग्लो मुगल वाणिज्यिक सम्बन्ध: १५८३-१७१७'

२८. डा० के० एस० मैथ्यू, रीडर, इतिहास विभाग, कला संकाय, एम० एस० विश्वविद्यालय, बड़ौदा, 'प्राचीन सोलहवीं शताब्दी के दौरान मालाबार तट पर पुर्तगाली व्यापार'।

२९. डा० ए० गणेशन, प्रोफेसर, इतिहास, सरस्वती नारायण कालेज, पीरुगुंडी मदुरै, 'तमिलनाडु में प्रेस और आजादी के लिए लड़ाई: १९१७-१९३७'

३०. डा० राम मणि मोहन शर्मा, थाने रोड़, पो० धर्मनगर, उत्तरी त्रिपुरा त्रिपुरा, 'त्रिपुरा का राजनीतिक इतिहास'।

३१. डा० पारस नाथ सिंह, बी ३०/७७, नागवान, लंका, वाराणसी, 'पृथ्वी राज चौहान और उनके काल' (हिन्दी में)।

३२. अवैतनिक सचिव, राजस्थान इतिहास कांग्रेस, बी-१२६ बी, मंगल मार्ग बापू नगर, जयपुर, 'राजस्थान इतिहास कांग्रेस के बारहवें अधिवेशन की कार्यवाही'।

३३. महासचिव, दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस, ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस के प्रथम वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही'।

३४. महासचिव, भारतीय पूर्व ऐतिहासिक तथा चतुर्धातक अध्ययन सोसायटी, पुरातत्व विभाग, दक्कन कालेज, पुणे–४११००६, 'मानव और पर्यावरण' (पत्रिका का खण्ड ८)।

३५. डा० एम० एल० अहलुवालिया, उप निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली, 'महाराजा रणजीत सिंह तथा ब्रिटिश राजदूत चार्ल्स-मेटकाफ के बीच पत्र-व्यवहार के संबंधित चुनिन्दा प्रलेख :१८०८-१८०९'।

३६. डा० जयरमन, के-३३९, जेलम होस्टल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'द्वीप समूहों का कानूनी शासन'।

३७. डा० के० पी० श्रीवास्तव, निदेशक, उ० प्र० राज्य अभिलेखागार, बी-४, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ-६, 'बनारस प्रांत का इतिहास और प्रशासन: १७७६ ए०डी० १८०९ ए०डी०'।

३८. डा० वाई० एन० राय, केन्द्रीय विद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय कैम्पस, वाराणसी, 'बाल्मीकि रामायण वर्णित जन जीवन'।

३९. सचिव, भारतीय पुरालेखीय सोसायटी, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरालेखशास्त्र विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड-३, 'भारतीय पुरालेख सोसायटी की पत्रिका' (खण्ड ८)।

४०. डा० वी० के० बावा, भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद, सीनियर फैलो, गोखले राजनीतिक तथा अर्थशास्त्र संस्थान, पुणे-४, 'मुगल प्रभाव तथा ब्रिटिश राज्य के बीच निजाम : सर सालारजंग १ के अधीन हैदराबाद: १८५३-१८८३'।

४१. महासचिव, भारतीय मुद्राशास्त्रीय सोसायटी, 'भारतीय मुद्राशास्त्रीय सोसायटी पत्रिका' (१९८० खण्ड)।

४२. डा० सुषमिता पाण्डे, ११ बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद-२, 'प्राचीन भारत में भक्ति का विकास (ऋगवेद काल से १२०० ए०डी० तक)।

आलोच्य वर्ष के दौरान कुल १,८०,००० रुपये का प्रकाशन अनुदान स्वीकृत किया गया।

परिशिष्ट–VII

जिन संस्थाओं को अनुदान स्वीकृत किए गए उनकी सूची नीचे दी गई है :

१. इतिहास विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली: 'भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन: दृष्टिकोण तथा व्याख्या' के संबंध में एक सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

२. *इतिहास विभाग, पंजाब ऐतिहासिक अध्ययन, पंजाबी विश्वविद्यालय,* पटियाला: पटियाला में पंजाब इतिहास सम्मेलन का १४ वां अधिवेशन आयोजित करने के लिए ।

३. इतिहास विभाग, कलाभवन, विश्वभारती, शान्ति निकेतन, (प०बंगाल): 'आजादी के बाद प० बंगाल में समकालीन कला' के संबंध में सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

४. भारतीय इतिहास और संस्कृति सोसायटी, राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ, नई दिल्ली: भारतीय इतिहास और संस्कृति सोसायटी का चौथा अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए ।

५. उच्च अध्ययन तथा संस्कृति केन्द्र, स्नातकोत्तर इतिहास विभाग, बरहमपुर विश्वविद्यालय बरहामपुर-७: 'उड़ीसा में धार्मिक स्थलों के विकास का विश्लेषण करने के लिए रीति विज्ञान तथा स्त्रोत और सामाजार्थिक जीवन पर उनका प्रभाव' विषय पर एक सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

६. भारत कला भवन, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी: 'गुप्त कला और संस्कृति' के संबंध में एक अन्तराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

७. नेताजी अनुसंधान ब्यूरो, ३८/२, लाला लाजपत राय रोड़, कलकत्ता-७०००२०: बंगाल में राष्ट्रवाद पर द्वितीय सरद चन्द्र बोस स्मारक सम्मेलन आयोजित करने के लिए ।

८. इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन संस्थान, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ: 'आगरा और अवध के पश्चिमी संयुक्त प्रान्तों में सामाजार्थिक परिवर्तन' के संबंध में सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

९. 'दि फ्रेन्ड्स आफ आरकाइव्ज ग्रुप,' राष्ट्रीय अभिलेखागार, जनपथ, नई दिल्ली: '१८वीं और १९वीं शताब्दियों में भारत में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन' विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित करने के लिए।

१०. आई० वी० के० राजवाडे संशोधन मन्डल, धूले: 'महाराष्ट्र इतिहास परिषद का अधिवेशन' आयोजित करने के लिए।

११. आधुनिक इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र: 'उत्तरी भारत में सामाजार्थिक परिवर्तन' के संबध में सेमिनार आयोजित करने के लिए।

१२. ललित कला विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़-१६००१४: "भारतीय कलात्मक परम्परा में सम्प्रेषण' के संबंध में सेमिनार आयोजित करने के लिए।

१३. दि माइथिक सोसायटी, नरुपतुंगा रोड़, बंगलौर-५६०००२: "भारतीय इतिहास में १९४७ के बाद अनुसंधान की प्रगति" पर एक सेमिनार आयोजित करने के लिए।

१४. इतिहास विभाग, बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई: दिसम्बर १९८० में बम्बई में भारतीय इतिहास कांग्रेस का ४१वां अधिवेशन आयोजित करने के लिए।

१५. उड़ीसा इतिहास कांग्रेस, सम्बलपुर विश्वविद्यालय, सम्बलपुर: उड़ीसा इतिहास कांग्रेस का ९वां वार्षिक अधिवेशन आयोजित करने के लिए।

१६. दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन केन्द्र, रामसागर रोड़, गया: थाई अध्ययनों के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए।

१७. भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता: जनवरी १९८० में भारतीय पुरालेखशास्त्र सोसायटी के वार्षिक अधिवेशन पर 'बंगाल के शिलालेखों' के संबंध में एक सेमिनार आयोजित करने के लिए।

१८. बी० एस० एम० कालेज, रामचन्द्रपुरम, आन्ध्र प्रदेश: आन्ध्र प्रदेश इतिहास कांग्रेस का ५वां वार्षिक अधिवेशन आयोजित करने के लिए।

१९. उच्च अध्ययन केन्द्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता: "प्राचीन भारतीय इतिहास में शहरीकरण" पर एक सेमिनार आयोजित करने के लिए।

२०. श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कालेज, दिल्ली : महाराजा रणजीत सिंह के जीवन और काल" के संबंध में एक सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

२१. कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता: शहीद सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव की स्वर्ण जयन्ती मनाने के लिए ।

२२. नेताजी अनुसंधान ब्यूरो, नेताजी भवन, ३८/२, लाला लाजपतराय रोड़, कलकत्ता-७०००२०: 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम १८५७-१९४७' के संबंध में चतुर्थ अखिल भारतीय इतिहास सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

२३. आयोजन सचिव, चिटगांव क्रांति राष्ट्रीय स्वर्ण जयन्ती समिति, दिल्ली अध्याय आयोजन समिति, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली-२९: 'राष्ट्रीय क्रांतिकारी आन्दोलन और स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका' के संबंध में सेमिनार ।

२४. इतिहास और संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली-११००२५: 'मध्यकालीन भारतीय सोसायटी में संघर्ष और स्थिरता' पर एक संगोष्ठी आयोजित करने के लिए ।

२५. हेरस भारतीय इतिहास और अनुसंधान संस्थान, सेंट जैवियर्स कालेज, महापालिका मार्ग, बम्बई-४००००१: 'ऐतिहासिक कार्यशाला' आयोजित करने के लिए ।

२६. इतिहास विभाग, पछुंगा विश्वविद्यालय, आइजल (मिजोरम): 'मिजो इतिहास' पर एक सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

२७. इतिहास विभाग, बंगलौर विश्वविद्यालय, ज्ञान भारती, बंगलौर-५६००५६: 'अध्यर्पण के बाद मैसूर' के संबंध में एक सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

२८. वृन्दावन अनुसंधान संस्थान, लोई बाजार, वृन्दावन-२८११२१ (उ०प्र०): 'मथुरा क्षेत्र में सांस्कृतिक पहलुओं के विशेष संदर्भ में पाण्डुलिपियां, जैसा कि १७ वीं से १९ वीं शताब्दी तक के युग के समकालीन प्रलेखों से प्रदर्शित हैं,' के संबंध में एक सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

२९. इतिहास और पंजाब ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला: पंजाब इतिहास सम्मेलन का पन्द्रहवां अधिवेशन आयोजित करने के लिए ।

३०. ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, पलकलई नगर, मदुरै-६२५०२१: "दक्षिण भारत में सामाजिक सुधार आन्दोलन' पर एक सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

३१. केरल विश्वविद्यालय, करिआवट्टम-६९५५८१: दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस का दूसरा वार्षिक अधिवेशन आयोजित करने के लिए ।

३२. इतिहास विभाग और अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय, सागर विश्वविद्यालय, सागर: मध्य प्रदेश इतिहास परिषद की रजत जयन्ती मनाने के लिए ।

३३. दि माइथिक सोसायटी, नरुपतुंगा रोड़, बंगलौर-५६०००२: प्लेस नेम्स सोसायटी आफ इण्डिया का दूसरा वार्षिक सम्मेलन आयोजित करने के लिए ।

३४. इतिहास विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर: "१९वीं शताब्दी के दौरान पंजाब में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन' पर सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

आलोच्य वर्ष के दौरान विभिन्न संस्थाओं को स्वीकृत अनुदान की कुल राशि १,१०,००० रुपये थी ।

परिशिष्ट--VIII

३१.३.१९८१ की स्थिति के अनुसार परिषद के स्टाफ की स्वीकृत संख्या

१.	निदेशक	१
२.	उप सचिव	१
३.	कार्यकारी सम्पादक	१
४.	प्रबंधक (प्रकाशन)	१
५.	सम्पादक एवं परियोजना अधिकारी	१
६.	प्रशासनिक अधिकारी	१
७.	लेखा अधिकारी	१
८.	वरिष्ठ व्यावसायिक	१
९.	जूनियर व्यावसायिक	१
१०.	अनुसंधान अधिकारी	५
११.	कापी सम्पादक	१
१२.	सहायक सम्पादक	१
१३.	सहायक उत्पादन अधिकारी	१
१४.	पुस्तकालयाध्यक्ष	१
१५.	आशुलिपिक ग्रेड-१	१
१६.	अधीक्षक (प्रशासन)	१
१७.	अधीक्षक (लेखा)	१
१८.	वरिष्ठ अनुसंधान सहायक	४
१९.	सम्पादकीय सहायक	२
२०.	उत्पादन सहायक	१
२१.	वरिष्ठ आशुलिपिक	२
२२.	पुस्तकालय सहायक	१
२३.	तकनीकी सहायक	१
२४.	सहायक	७
२५.	केअरटेकर	१
२६.	जूनियर लेखाकार-एवं रोकड़िया	१

२७.	प्रूफ रीडर	१
२८.	कापी होल्डर	१
२९.	यू०डी०सी०	२
३०.	लेखा लिपिक	५
३१.	जूनियर आशुलिपिक	७
३२.	अवर श्रेणी लिपिक	१९
३३.	जेरोक्स आपरेटर	१
३४.	स्टाफ कार ड्राइवर	१
३५.	दफ्तरी	१
३६.	गेस्टेटनर आपरेटर	१
३७.	चौकीदार	२
३८.	पुस्तकालय परिचर	१
३९.	फराश एवं चपरासी	१५
४०.	सफाई कर्मचारी (स्वीपर)	२
	जोड़	१००

वर्ष १९८०-८१ के लिये भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के लेखाओं पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन ।

१. **सामान्य:** भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद मुख्यतः सरकारी अनुदानों से वित्त पोषित होती है । १९८०-८१ के दौरान उसे कुल ३३.७१ लाख रु० के अनुदान (योजनेतर: २०.२१ लाख रु०, योजनागत: ८.०० लाख रु० और विशेष परियोजनाएं: ५.५० लाख रु०) प्राप्त हुए :

२, प्राप्ति और भुगतान लेखा :

२,१ अप्रयुक्त राशि का अनभ्यपूर्ण :

विशेष परियोजना 'भारतीय संस्कृति पर स्रोत पुस्तक' के लिए १९७६-७७ के दौरान सरकार द्वारा निर्मुक्त २.१३ लाख रु० के अनुदान में से मार्च १९७९ तक १.११ लाख रु० की राशि व्यय की गई थी और उसके बाद कोई व्यय नहीं किया गया । १.०२ लाख रु० का अव्ययित शेष अभ्यर्पित नहीं किया गया था (अक्तूबर १९८१) । परिषद ने बताया (जनवरी १९८२) कि सरकार खण्डों के मुद्रण के प्रति अव्ययित शेष के उपयोग के लिए सहमत हो गई थी ।

२,० निधियों का अन्तरण:

३१ मार्च १९८२ को परियोजनाओं के संबंध में नियुक्त अनुदानों का अव्ययित शेष (और अनुवाद आवर्ती निधि के लिए रखी गई राशि) नीचे दिये ब्योरों के अनुसार २,७६,१६८ रु० परिकलित हुआ:–

	रुपये
(१) परिषद कोर कार्यक्रम	
योजनेतर	४२
योजनागत	८१,३४२
(२) स्वाधीनता के प्रति	२१,२५९
(३) भारतीय संस्कृति पर स्रोत पुस्तक	१,०२,३२६
(४) प्रजा मंडल	५,३५५
(५) अनुवाद आवर्ती निधि के प्रति रखी गई राशि	६५,८४४
	२,७६,१६८

किन्तु, प्राप्ति और भुगतान लेखे के अनुसार केवल १,८७,९१८ रु० का ही अंत शेष था। इस प्रकार ८८,२५० रु० की राशि उन प्रयोजनों से जिनके लिए उसका प्रावधान किया गया था, इतर प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त की गई थी।

परिषद ने बताया (फरवरी १९८२) कि ८८,२५० रु० का अधिक व्यय अनुवाद परियोजना के संबंध में था और यह व्यय १९८१-८२ के दौरान सरकार द्वारा संस्वीकृत सहायक अनुदान के प्रति समायोजित किया जा रहा था और सही स्थिति १९८१-८२ के लेखाओं में दर्शायी जायेगी।

२.३ प्राप्तियों का अनियमित रोका जाना :

सरकार द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित परियोजना 'कोर पुस्तकों के उत्पादन अनुवाद' के संबंध में पुस्तकों की बिक्री आय और रायल्टी के संबंध में ६६ लाख रु० की कुल प्राप्तियां (१९७९-८० में ०.३५ लाख रु० और १९८०-८१ में ०.३१ लाख रु०) परिषद द्वारा शीर्ष 'अनुवाद आवर्तीनिधि' के अधीन रोकी गई थी। ये प्राप्तियां सरकार को वापस नहीं की गई। (अक्तूबर १९८१) यद्यपि सरकार ने परिषद को ऐसा करने का निर्देश दिया था (मई १९८१)। परिषद ने बताया (फरवरी १९८२) कि प्रश्नाधीन प्राप्तियां सरकार द्वारा १९८१-८२ के दौरान परियोजना के लिए अनुदान निर्मुक्त करते समय हिसाब में ले ली गई थीं।

३. किराये का वसूल न किया जाना : ७७,२९४ रु०

परिषद द्वारा ३२०७ रु० के मासिक किराये पर लिए गये ६ कमरों में से दो कमरे मार्च १९७३ से एक प्राइवेट संगठन को शिकमी किराये पर दे दिये गये थे, अनुपातिक मासिक किराये की राशि जिसमें पानी और बिजली प्रभार शामिल थे, १०८० रु० परिकलित हुई। परिषद ने न तो कोई ऐसा करार किया था जिसमें शिकमी किराये पर दिये गये भाग की शर्तें विनिर्दिष्ट थी और न शिकमी किरायेदारों से कोई किराया ही वसूल किया गया था।

इस संबंध में सितम्बर १९८१ तक वसूली योग्य कुल किराये की राशि ७७,२९४ रु० थी।

४. परियोजनाएं:

४.१ विजयनगर शिलालेख

अनुसंधान परियोजना समिति का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किये बिना ही परिषद ने १३,८०० रु० के कुल व्यय पर अगस्त १९७३ से जुलाई १९७६ तक के ३

वर्षों के अन्दर पूरी किये जाने के लिए दो इतिहासविदों को 'विजयनगर शिलालेखों की सूची का संकलन' शीर्षक वाली परियोजना सोंपी। परियोजना में संस्कृत और दक्षिण भारत की भाषाओं में लगभग ८००० विजयनगर शिलालेखों की सूची बनाने की व्यवस्था थी जिसमें से ५००० की पहले ही एक इतिहासविद द्वारा सूची तैयार कर दी गई थी। ४३,८०० रु० की राशि ७ किश्तों में निर्मुक्त की गई थी और लगभग ६००० शिलालेखों की सूची वाले खंड की हस्त-लिपि परिषद को १९७७-७८ में प्राप्त हुई। नामित विशेषज्ञों की राय कि सामग्री प्रकाशन योग्य थी अथवा नहीं और परिषद की कार्योत्तर संस्वीकृति भी अभी तक प्रतीक्षित थी। (मई १९८१)।

४.२ **मजदूर संघ आंदोलन** :

०.३६ लाख रु० की लागत पर एक वर्ष में पूरी किये जाने वाली 'मजदूर संघ आंदोलन' पर स्रोत पुस्तकें (४ खण्डों में) तैयार करने के लिए एक परियोजना एक इतिहासविद (परियोजना निदेशक) को अक्तूबर १९७२ में सोंपी गई थी। इसके बाद वित्तीय सहायता की दर बढा दी गई जिसके परिणामस्वरूप अनुमान को संशोधित करके ०.९० लाख रु० कर दिया गया। तैयार किये जाने वाले खण्डों की संख्या बढा कर १० कर दी गई जिसके अन्तर्गत १९२७-३७ और १९३९-४१ की महत्वपूर्ण अवधियां नहीं आती थी। पुनः निदेशक के अनुरोध पर परियोजना छोड़ दी गई अवधियों को शामिल करने वाले ८ और खण्डों को तैयार करने के लिए उसे ०.८० लाख रु० की अतिरिक्त राशि और १५०० रु० प्रति माह की फैलोशिप संस्वीकृत की गई (मार्च १९७७) यद्यपि ये अवधियां आरंभ में ४ खण्डों के आरंभिक कार्य सुपुर्दगी में विनिर्दिष्ट की गई थीं। परिषद ने परियोजना पर मार्च १९८१ तक १.६३ लाख रु० व्यय किये थे परन्तु न तो १९७५ और १९७६ में प्राप्त १० खण्ड प्रैस को प्रकाशन के लिए भेजे गये और न अतिरिक्त ८ खण्ड जो मार्च ७८ में प्राप्य थे, अभी तक प्राप्त हुए थे (अक्तूबर १९८१)। परिषद ने बताया (जनवरी १९८२) कि शेष खण्ड भी अब प्राप्त हो गये थे, किन्तु इन सभी खण्डों को प्रकाशित किये जाने से पूर्व अद्यतन और सम्पादित किए जाने की आवश्यकता थी।

४.३ **आर्थिक आंकड़े**

०.५४ लाख रु० की लागत पर (प्रति खण्ड ०.०९ लाख रु० की दर पर) एक वर्ष के भीतर पूरा किये जाने के लिए ६ सांख्यिकीय खण्डों में आर्थिक आंकड़ों

के संग्रहण और संशोधन से संबंधित कार्य ६ विभिन्न इतिहासविदों को मार्च १९७३ और जुलाई १९७३ के बीच सौंपा गया था। तदनन्तर, वित्तीय सहायता की दर बढा कर प्रति खण्ड ०.१२ लाख रु० कर दी गई और लक्षित तारीख फरवरी १९७७ नियत की गई। परिषद ने अग्रिम भुगतान के रूप में ०.६२ लाख रु० इतिहासविदों को अदा कर दिये थे परन्तु कार्य अभी पूरा और प्रकाशित किया जाना था (अक्तूबर १९८१)।

हस्ताक्षर - एम. एम. मेहता
निदेशक लेखा परीक्षा,
केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली
दिनांक: २५.२.८२

लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र

मैंने भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के वर्ष १९८०-८१ के पूर्ववर्ती लेखाओं और तुलन-पत्र की जांच कर ली है और सभी अपेक्षित सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं और संलग्न लेखा परीक्षा में दी गई अभ्युक्तियों के अधीन रहते हुए अपनी लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप मैं प्रमाणित करता हूं कि मेरी राय में और मेरी सर्वोत्तम जानकारी और मुझे दिये गये स्पष्टीकरण तथा परिषद की बहियों में किये गये उल्लेख के अनुसार ये लेखे और तुलन-पत्र उपयुक्त रूप से तैयार किये गये हैं और परिषद के कार्यकलापों का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

हस्ताक्षर - एम. एम. मेहता
निदेशक लेखा परीक्षा,
के-द्रीय राजस्व

नई दिल्ली
दिनांक : २५.२.८२

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् का मार्च, १९८१ में समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति तथा अदायगी का लेखा

प्राप्ति			अदायगी			
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६	७
I. १-४-८० को प्रारम्भिक रोकड़				**योजनेतर**	**योजनागत**	
(क) रोकड़ (हाथ में)	१९,२७४		**(क) प्रशासन**			
(ख) रोकड़ (बैंक में)	३,४८,९२४	३,६८,१९८	१. अधिकारियों के वेतन तथा भत्ते	१६,२९१	४६,७३२	
II. वर्ष के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			२. कर्मचरियों के वेतन तथा भत्ते	१,९६,०६९	१,०३,५२९	
(१) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद			३. चिकित्सा व्यय	६,१४७	३,०९१	
योजनेतर	२०,२०,५७०		४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा भत्ता	१,३८०	२४	
योजनागत	८,००,०००	२८,२०,५७०	५. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	९,४४०	५,२०३	
(२) विशेष परियोजनाएं						
(क) अनुवाद परियोजना	—	—				
(ख) स्वतन्त्रता की ओर	४,००,०००					
(ग) प्रजा मण्डल	१,५०,०००	५,५०,०००				
III. अन्य स्रोतों से अंशदान	—	—				

१	२	३	४	५	६	७
IV. अन्य प्राप्तियां			६. अंशदायी भविष्यनिधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	११,६७३	६,७४७	
१. पुस्तकों की बिक्री एवं रायल्टी:						
(क) योजनागत	७,०६३		जोड़-प्रशासन	२,४१,३००	१,६८,३२६	४,०६,६२६
२. जरनल की बिक्री योजनागत	७,६१८	१५,०११				
V. विविध प्राप्तियां			**(ख) अकादमिक**			
(क) योजनेतर	१०,४६५		१. अधिकारियों के वेतन और भत्ते	१,०३,६१८	४०,२००	
(ख) योजनागत	४७,००१					
(ग) अनुवाद	१,२७२		२. कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	१,२३,६६४	६५,६६६	
(घ) स्वतन्त्रता की ओर	२,६६५					
(ङ) प्रजा मंडल	८८	६१,८२१	३. चिकित्सा व्यय	६,५२१	१,६८१	
VI. पेशगियों का समायोजन			४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा-भत्ता	१२,२६६	३,८३४	
(क) अन्य पेशगियां						
(१) अध्यक्ष का कार्यालय	१,५७१	—	५. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	—	—	
(२) अनुवाद एकक	४,७०६	६,२७७				

१	२	३	४	५	६	७
(ख) आकस्मिक पेशगियां			६. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	२५,९३१	१२,११९	
(१) प्रकाशन विभाग को पेशगी	१,०००					
(२) प्रलेखन विभाग को पेशगी	३३०	१,३३०	जोड़–अकादमिक	२,७२,३३३	१,५४,१०३	४,२६,४२६
(ग) परिषद के कर्मचारियों को पेशगियां			**(ग) प्रलेखन केन्द्र**			
(१) त्यौहार पेशगियां	११,६९५		१. अधिकारियों के वेतन और भत्ते	—	६४,४७८	
(२) बाढ़ पेशगियां	४,७४५					
(३) साइकिल पेशगियां	१,३२०		२. कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	४०,८२९	१२,२१८	
(४) प्रतिनियुक्ति पर आये कर्मचारियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	४,९४७	२२,७०७	३. चिकित्सा व्यय	७९३	२,६२२	
VII. पुस्तकों की बिक्री एवं रायल्टी	३१,२५८	३१,२५८	४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा-भत्ता	२,०६३	१,६४०	
VIII. संशय लेखा	—	—				
योग :		३८,७७,१७२	५. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	—	—	

पिछला शेष		३८,७७,१७२	६. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	३,७०६	५,१२२
			योग-प्रलेखन केन्द्र	४७,३६१	८६,०८०	१,३३,४७१
			(घ) प्रकाशन—भा० इ० अ० प०		
			(क) प्रकाशन यूनिट		
			१. अधिकारियों के वेतन और भत्ते	—	३१,५६१
			२. कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	६०,३३२	११,०७०
			३. चिकित्सा व्यय	१,७४४	३४६
			४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा-भत्ता	४४४	—
		३८,७७,१७२			

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	५. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	६,२३४	३,०९५	
			योग-प्रकाशन यूनिट	६८,७५४	४६,०७२	१,१४,८२६
			(ख) परिषद् के प्रकाशन			
			१. भा० इ० अ० प० की पहल पर तैयार की गई पाण्डुलिपि	—	८१६	
			२. परिषद् की पत्रिका का प्रकाशन	—	२७,७८७	
			३. बिक्री को प्रोत्साहन	—	—	
			योग-परिषद् के प्रकाशन	—	२८,६०३	२८,६०३
		३८,७७,१७२	योग–भा० इ० अ० प० के प्रकाशन	६८,७५४	७४,६७५	१,४३,४२९

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	(ङ) अन्य व्यय			
			१. वार्षिक रिपोर्ट तथा न्यूजलैटर का मुद्रण	९,७३५	१७,३८३	
			२. बैठकों का यात्रा भत्ता	४,२२७	६०,०७४	
			३. समाचार पत्रों व पत्रिकाओं आदि की खरीद	३,३२२	१८,३७०	
			४. लेखा–परीक्षा शुल्क	८,७५०	—	
			योग-अन्य व्यय	२६,०३४	९५,८२७	१,२१,८६१
		३८,७७,१७२	(घ) कार्यालय खर्च			
			१. विविध आकस्मिक	६७,०८१	१,०८,९३२	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	२. भवन का किराया	५५,७८५	—	
			योग-कार्यालय खर्च	१,२२,८६६	१,०८,९३२	२,३१,७९८
			राज्य विधान एकक			
			१. मुद्रण व्यय	—	१३,७५८	
			२. विविध आकस्मिक	—	—	
				—	१३,७५८	१३,७५८
			सहायक अनुदान कार्यक्रम			
			१. अनुसंधान परियोजनाएं	१,४८,१३१	—	
			२. शोध-वृत्तियां	५,११,६६२	—	
			३. अध्ययन अनुदान	१,५२,१७०	—	
		३८,७७,१७२	४. प्रकाशन अनुदान	१,११,१२५	—	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	५. पेशेवर संगठनों को सहायता	८४,३७५	—	
			६. सर्वेक्षण	—	—	
			७. स्रोत अनुसंधान कार्यक्रम	२७,२८७	—	
			योग-सहायक अनुदान कार्यक्रम	१०,३४,७५०	—	१०,३४,७५०
			IV. सेमिनार, संगोष्ठियां और सम्मेलन (राष्ट्रीय)			
			१. भाग लेने वालों को अदा किया गया यात्रा भत्ता	—	—	
			२. अन्य संस्थाओं को अनुदान	९५,४७५	—	
			३. अन्य व्यय	४२५	—	
		३८,७७,१७२	योग	९५,९००	—	९५,९००

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	**V. सेमिनार, संगोष्ठियां और सम्मेलन (अन्तर्राष्ट्रीय)**			
			१. सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम	८०,९३०	—	८०,९३०
			VI. पूंजीगत व्यय			
			१. फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	११,२७६	६४,९९३	
			२. पुस्तकें-प्रलेखन केन्द्र	२१,४१९	—	
			३. पुस्तकालय उपस्कर (प्रलेखन केन्द्र)	१३,९५०	—	
				४६,६४५	६४,९९३	
			घटा-पूंजीगत लेखा पुस्तक पर प्राप्त राशि	९११	—	
		३८,७७,१७२	योग :	४५,७३४	६४,९९३	१,१०,७२७

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	**VII. ऋण, जमा तथा पेशगियां**			
			(क) अन्य पेशगियां			
			अध्यक्ष कार्यालय पूना के लिए पेशगी	१,०४४	—	१,०४४
			(ख) आकस्मिक पेशगियां			
			१. प्रकाशन यूनिट को पेशगी	—	—	
			२. प्रलेखन केन्द्र को पेशगी	—	८,२५०	
			योग :	—	८,२५०	८,२५०
			(ग) परिषद् के कर्मचारियों को पेशगियां			
			१. प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्तियों को छुट्टी वेतन पेशगी	१,७७५	१,६७०	
		३८,७७,१७२				

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	२. त्यौहार पेशगियां	१०,४००	१,४००	
			३. साईकल पेशगियां	४,९५०	४,९५०	
			योग :	१७,१२५	८,०२०	२५,१४५
			घ. केन्द्रीय तार घर में जमा की गई धरोहर राशि	—	१,०००	
			योग-ऋण, जमा तथा पेशगियां	१८,१६९	१७,२७०	३५,४३९
			VIII. *संशय लेखा*	–	३,६४३	३,६४३
			कुल अदायगी	२०,५४,१६१	७,८७,६०७	२८,४१,७६८
			परिषद् को सौंपी गई विशेष परियोजनाएं			
		३८,७७,१७२	(क) प्रमुख पुस्तकों का प्रकाशन (अनुवाद परियोजना)			

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	**I. क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तकों का अनुवाद**			
			१. वेतन और भत्ते (मुख्यालय और एकक)		५६,१५२	
			२. चिकित्सा व्यय		८०५	
			३. अधिकारियों और कर्मचारियों के यात्रा-भत्ते		७६२	
			४. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान		—	
			५. अंशदान भविष्यनिधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज		२,०६५	
			६. विविध आकस्मिक		१,३१७	
		३८,७७,२७२	योग :		६४,६४१	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	२. अनुवाद के लिए अदा किया गया पारिश्रमिक			
			१. अनुवाद अधिकार	६,०००		
			२. अनुवाद व्यय	२,९५,१८४		
			३. पुनरीक्षण व्यय	५४,३४२		
			४. प्रकाशन व्यय	८,११९		
			योग :	३,६३,६४५		
			३. पूंजीगत व्यय			
			१. पुस्तकें	—		
			२. फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	—		
			योग :	—		
			घटा—पूंजीगत लेखे में रायल्टी के अन्तर्गत पूंजीगत व्यय का अभलेखन	६०		
		३८.७७,१७२				

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	**४. ऋण , जमा तथा पेशगियां**			
			१. पेशगियां अनुवाद			
			एकक	—		
			२. प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	५,३३०		
			योग: अनुवाद परियोजना		४,३३,९७६	
			ख. स्वतन्त्रता की ओर			
			१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	२,५८,०३४		
			२. चिकित्सा व्यय	५,०६३		
			३. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा-भत्ता	११,८४४		
		३८,७८,१७२				

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,२७,१७२	४. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	१,२५३		
			५. अंशदायी भविष्यनिधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	१६,८६७		
			६. भवन का किराया	३७,६१६		
			७. विविध आकस्मिक	१६,२३४		
			योग :	३,५०,२१४		
			पूंजीगत व्यय			
			पुस्तकें	—		
			फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	३,५११		
			३. ऋण, जमा तथा पेशगियां			
			प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	५५६		
		३८,७७,१७७	योग—(स्वतन्त्रता की ओर)		३,५४,२८४	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१८२	ग. प्रजा मंडल			
			१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन-भत्ते	५१,७३६		
			२. चिकित्सा व्यय	१,२४०		
			३. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा-भत्ता	३,८३६		
			४. विविध आकस्मिक	२,४११		
			योग : प्रजा मण्डल		५६,२२६	
			घ—योग : विशेष परि-परियोजनाएं	—	८,४७,४८६	
		३८,७७१७२				

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		३८,७७,१७२	अन्तिम बकाया			
			रोकड़ (हाथ में)	८४७		
			रोकड़ (बैंक में)	१,८७,०७१	१,८७,९१८	
कुल योग :		३८,७७,१७२			३८,७७,१७२	

ह०—ओ० पी० बतरा
अधीक्षक (लेखा)
२९.६.८१

ह०—एम० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
२९.६.८१

ह०—वी० आर० ग्रोवर
निदेशक
२९.६.८१

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद

३१ मार्च १९८१ को समाप्त होने वाले वर्ष का आय-व्यय खाता

व्यय				आय			
शीर्ष	राशि		राशि	शीर्ष	राशि	राशि	राशि
१	२		३	४	५	६	७
	योजनेतर	**योजनागत**		वर्ष के दौरान प्राप्त			
प्रशासन	२,४१,३००	१,६८,३२६	४,०९,६२६	अनुदान	३३,७०,५७०		
अकादमिक	२,७२,३३३	१,५४,१०३	४,२६,४३६	घटा: पूंजी धन में			
प्रलेखन	४७,३९१	८६,०८०	१,३३,४७१	परिवर्तित	१,१४,२३८	३२,५६,३३२	
प्रकाशन	६८,७५४	४६,८८८	१,१५,६४२	पुस्तकों की बिक्री तथा			
अन्य व्यय	२६,०३४	९५,८२७	१,२१,८६१	रायल्टी (योजनागत)	७,०९३	७,०९३	
कार्यालय खर्च	१२२,८६६	१,०८,९३२	२,३१,७९८	**विविध प्राप्तियां**			
राज्य विधान एकक सहायक अनुदान	—	१३,७५८	१३,७५८	योजनेतर	१०,४९५		
कार्यक्रम	१०,३४,७५०	—	१०,३४,७५०	योजनागत	४७,००१		
				अनुवाद परियोजना	१,२७२		
			३१,३५,०९०	स्वतंत्रता की ओर	२,९६५		
				प्रजा मण्डल	८८	६१,८२१	

१	२	३	४	५	६	७
सेमिनार संगोष्ठियां व सम्मेलन (राष्ट्रीय)	६५,६००	—	६५,६००	आय के मुकाबले अतिरिक्त व्यय	१,७६,६५२	
सेमिनार, संगोष्ठियां व सम्मेलन (अन्तर्राष्ट्रीय)	८०,६३०	—	८०,६३०			
	१६,६०,२५८	६,७३,६१४	२६,६४,१७२			
विशेष परियोजनाएं						
(१) अनुवाद परियोजनाएं	४,२८,५८६					
(२) स्वतन्त्रता की ओर	३,५०,२१४					
(३) प्रजा मंडल	५६,२२६		८,३८,०२६			
			३५,०२,१६८		३५,०२,१६८	

ह०— ओ० पी० बतरा
अधीक्षक (लेखा)
२६.६.८१

ह०— एम० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
२६.६.८१

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक
२६.६.८१

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद

1 मार्च, १९८१ को समाप्त होने वाले वर्ष का तुलन पत्र

देयता	राशि	राशि	परिसंपत्ति	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
क. पूंजीकृत अनुदान			**क. पूंजीगत व्यय**		
(१) १९७९-८० के अन्त तक	१२,१५,४८१		(१) स्टाफ कार		
(२) १९८०-८१ के दौरान	१,१४,२३८	१३,२९,७१९	१९७९-८० के अन्त तक	२३,२४०	
ख. बकाया अदायगी			१९८०-८१ के दौरान	—	२३,२४०
(१) अतिरिक्त वेतन तथा भत्ते	—	—	(ख) फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर		
(२) अन्य कार्यालयों, विभागों को प्रेषण हेतु कटौतियां	—	—	१९७९-८० के अन्त तक	४,८०,६५३	
ग. अंशदायी भविष्य निधि			१९८०-८१ के दौरान		
१९७९-८० के अन्त का शेष	३,६०,१५१		(क) परिषद	७६,२६९	
१९८०-८१ में जमा	२,३४,३३०		(ख) स्वतंत्रता की ओर	३,५११	७९,७८०
	५,९४,४८१				५,६०,४३३

घटा–वर्ष १९८०-८१ के दौरान		
निकाली गई राशि तथा अस्थाई पेशगी	६२,४५८	५,३२,०२३
चालू कोष (अनुदान)		
१९७९-८० के अन्त का कोष	३४,६४६	
१९८०-८१ के दौरान वृद्धि	३१,१९८	६५,८४४
व्यय के मुकाबले अतिरिक्त आय		
वर्ष १९७९-८० के अन्त का शेष	३,८४,४५६	
घटा : १९८० ८१ के दौरान	१,७६,९५२	२,०७,५०४
		२१,३५,०९०

पुस्तकें		
१९७९-८० के अन्त तक	७,११,५८८	
१९८०-८१ के दौरान		
(क) परिषद	३४,४५८	
(ख) विशेष परियोजना-(स्वतंत्रता की ओर)	३४,४५८	७,४६,०४६
ख. परिषद् के प्रकाशन		
इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यू १९७९-८० के अन्त तक	४,९५४	
१९८०-८१ के दौरान	२७,७८७	
		३२,७४१

१	२	३	४	५	६	७
पिछला शेष		२१,३५,०९०	घटा: बिक्री-वर्ष १९८०-८१ के दौरान	७,९१८	२४,८२३	
			ग. ऋण, जमा तथा पेशगियां			
			१. अंशदायी भविष्य-निधि			
			(क) १९७९-८० के अन्त तक निवेश	२,५०,०००		
			(ख) १९८०-८१ के दौरान निवेश	१,००,०००		
			शेष			
			रोकड़ (हाथ में)	४६८		
			रोकड़ (बैंक में)	१,८१,५५५	१,८२,०२३	५,३२,०२३
			(२) अध्यक्ष के निवास (पूना) पर टेली-फोन हेतु जमा राशि			५,०००
			(३) केन्द्रीय तार घर में धरोहर के रूप में जमा राशि			१,०००
		२१,३५,०९०				

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		२१,३५,०९०	(४) कर्मचारियों को पेशगियां		
			(क) अग्रिम अवकाश वेतन		
			वर्ष १९७९-८० के अन्त तक का शेष	११,९२२	
			वर्ष १९८०-८१ के दौरान पेशगी	९,३३४	
				२१,२५६	
			घटा : वर्ष १९८०-८१ के दौरान समायोजन	४,९४७	
			शेष :		१७,३०९
			(ख) त्यौहार पेशगियां		
			वर्ष १९७९-८० के अन्त तक बकाया	८,२९५	
		२१,३५,०९०			

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		२१,३५,०६०	वर्ष १९८०-८१ के दौरान पेशगी	११,८००	
				२०,०६५	
			घटा : समायोजन-१९८० - ८१ के दौरान	११,६६५	
			शेष:		८,४००
			(ग) साईकल पेशगियां		
			वर्ष १९८०-८१ के दौरान	६,६००	
			घटा : समायोजन-१९८०-८१ के दौरान	१,३२०	
			शेष:		८,५८०
			ग. समुद्री तूफान/बाढ़ पेशगियां		
		२१,३५,०६०	वर्ष १९७९-८० के अन्त तक बाकी	५,०४५	

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		२१,३५,०९०	वर्ष १९८०-८१ के दौरान पेशगी		
			घटा : वर्ष १९८०-८१ का समायोजन	४,७४५	
			शेष:		३००
			अन्य पेशगियां		
			(क) अध्यक्ष का कार्यालय		
			१९७९ - ८० के अन्त तक शेष	१,८१०	
			१९८०-८१ के दौरान पेशगी	१,०४४	
				२,८५४	
			घटा : वर्ष १९८०-८१ का समायोजन	१,५७१	
		२१,३५,०९०	शेष:		१,२८३

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		२१,३५,०९०	**ख. अनुदान परियोजनाएं**		
			१९७९-८० के अंत तक शेष	८,६७०	
			१९८०-८१ के दौरान पेशगी	–	
			घटा : वर्ष १९८०-८१ का समायोजन	४,७०६	
			शेष:		३,९६४
			VI. आकस्मिक पेशगियां		
			(क) मैसर्ज के०पी० बागची को पेशगी		
			१९७९-८० के अन्त तक का शेष	४,४७३	
			१९८०-८१ के दौरान पेशगी	–	
			घटा : १९८०-८१ के दौरान समायोजन	–	
		२१,३५,०९०	शेष:		४,४७३

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		२१,३५,०९०	**(ख) प्रलेखन केन्द्र को पेशगियां**		
			१९७९-८० के अन्त तक का शेष	५०३	
			१९८०-८१ के दौरान पेशगी	८,२५०	
				८,७५३	
			घटा : १९८० -८१ के दौरान समायोजन	३३०	
			वर्ष १९८०-८१ के अन्त का शेष		८,४२३
			(ग) प्रकाशन केन्द्र को पेशगियां		
			१९७९-८० के अन्त तक शेष	१,०००	
			घटा : १९८०-८१ के दौरान समायोजन	१,०००	
		२१,३५,०९०	शेष:	—	

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		२१,३५,०९०	(घ) **अनुदान केन्द्र को पेशगियां** (सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम) १९७९-८० के अन्त तक शेष	२,८७५	
			घटा : १९८०-८१ के दौरान समायोजन	—	
			शेष:		२,८७५
			अन्तिम रोकड़ (बाकी)		
			रोकड़ (हाथ में)	८४७	
			रोकड़ (बैंक में)	१,८७,०७१	१,८७,९१८
		२१,३५,०९०			२१,३५,०९०

ह०—ओ० पी० बतरा
अधीक्षक (लेखा)

ह०—एम० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ह०— बी० आर० ग्रोवर
निदेशक

वर्ष १९८०-८१ के लिए प्रोफार्मा लेखा

परिषद् केन्द्रीय कार्यक्रम

प्राप्तियां			अदायगी		योजनेतर
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१. १-४-८० को आरंभिक रोकड़	३७		१. प्रशासन	—	२,४१,३००
			२. अकादमिक कार्यक्रम	—	२,७२,३३३
२. वर्ष के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	२०,२०,५७०	२०,२०,६०७	३. प्रलेखन	—	४७,३९१
			४. प्रकाशन केन्द्र	—	६८,७५४
३. अन्य प्राप्तियां			५. अन्य खर्च	—	२६,०३४
विविध प्राप्तियां		१०,४९५	**६. कार्यालय व्यय**		
४. पेशगियों का समायोजन			(क) विविध आकस्मिक	६७,०८१	
(क) अध्यक्ष के कार्यालय (पूना) को पेशगी	१,५७१		(ख) भवन का किराया	५५,७८५	१,२२,८६६
(ख) प्रलेखन केंद्र को पेशगी	३३०		**७. सहायक अनुदान कार्यक्रम**		१०,३४,७५०
(ग) प्रकाशन केन्द्र को पेशगी	१,०००				

१	२	३	४	५	६
(घ) प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	२,९९०		**८. सेमिनार, संगोष्ठियां तथा सम्मेलन**		
(ङ) त्योहार पेशगी	११,६९५		(क) आन्तरिक	९५,९००	
(च) बाढ़ पेशगी	४,१९५		(ख) अन्तर्राष्ट्रीय	८०,९३०	१,७६,८३०
(छ) साईकल पेशगी	१,३२०	२३,१०१	**७. पूंजीगत व्यय**		
			(क) पुस्तकें व पुस्तकालय उपकरण	३५,३६९	
योग :		२०,५४,२०३	(ख) फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	११,२७६	
				४६,६४५	
			घटा : पूंजीगत व्यय की प्राप्ति/पुस्तकें	९११	४५,७३४
			९. ऋण, जमा तथा पेशगियां		
			(क) अध्यक्ष कार्यालय के लिए	१,०४४	
			(ख) त्योहार पेशगी	१०,४००	

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		२०,५४,२०३	(ग) साईकल पेशगी	४,९५०	
			(घ) प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	१,७७५	१८,१६९
			योग :		२०,५४,१६१
			अन्तिम रोकड़ बाकी		४२
योग :		२०,५४,२०३			२०,५४,२०३

ह०—ओ० पी बतरा
अधीक्षक (लेखा)
२९.६.८१

ह०—एम० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
२९.६.८१

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक
२९.६.८१

वर्ष १९८०-८१ के लिए प्रोफार्मा लेखा

परिषद् के प्रमुख कार्यक्रम

प्राप्तियां			अदायगियां		आयोजनागत
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१. १-४-८० को प्रारम्भिक रोकड़	४,४३०	—	१. प्रशासन	—	१,६८,३२६
२. वर्ष के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	८,००,०००	८,०४,४३०	२. अकादमिक कार्यक्रम	—	१,५४,१०३
			३. प्रलेखन	—	८६,०८०
३. अन्य प्राप्तियां			४. परिषद् के प्रकाशन		
(क) पुस्तकों की बिक्री व रायल्टी	७,०९३		(क) प्रकाशन एकक	४६,०७२	
(ख) जरनल की बिक्री	,७,९१८		(ख) परिषद के प्रकाशन	२८,६०३	७४,६७५
(ग) विविध प्राप्तियां	४७,००१	६२,०१२			
४. पेशगियों का समायोजन			५. अन्य व्यय		९५,८२७
(क) प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	१,९५७		६. कार्यालय व्यय विविध आकस्मिक		१,०८,९३२
			७. राज्य विधान एकक		१३,७५८

१	२	३	४	५	६
(ख) बाढ़ पेशगियां	५५०	२,५०७	८. पूंजीगत व्यय		
५. संशय लेखा	—	—	(क) फर्नीचर तथा		
जोड़:		८,६८,९४९	कार्यालय उपस्कर	६४,९९३	
			घटा : पूंजीगत राशि की वसूली/वापसी	—	
			कुल:–		६४,९९३
			९. ऋण, जमा तथा पेशगियां		
			(क) प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन	१,६७०	
			(ख) त्यौहार पेशगी	१,४००	
			(ग) साईकल पेशगी	४,९५०	
			(घ) विविध आकस्मिक पेशगी	८,२५०	
			(ङ) केन्द्रीय तार घर में जमा धरोहर राशि	१,०००	१७,२७०

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष	—	८,६८,९४९	१०. संशय लेखा		३,६४३
			योग :		७,८७,६०७
			अन्तिम रोकड़ बाकी		८१,३४२
कुल जोड़ :		८,६८,९४९			८,६८,९४९

ह०—ओ० पी० बतरा
अधीक्षक (लेखा)
२९.६.८१

ह०—एम० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
२९.६.८१

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक
२९.६.८१

१९८०-८१ का प्रोफार्मा लेखा

प्रमुख पुस्तकों का प्रकाशन (अनुवाद परियोजना)

प्राप्तियां			अदायगियां		
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१. १-४-८० को प्रारम्भिक रोकड़	३,३९,६८८		क. क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तकों का अनुवाद		
वर्ष के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	—		१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन-भत्ते	५९,१५२	
२. पुस्तकों की बिक्री व रायल्टी	३१,२५८				
३. विविध प्राप्तियां	१,२७२	३,७२,१२८	२. चिकित्सा व्यय	८०५	
पेशगियों का समायोजन			३. अधिकारियों, कर्मचारियों तथा कमेटियों के यात्रा भत्ते	७६२	
एकक को पेशगियां	४,७०६	४,७०६			
योग:		३,७६,९२४			
घटा: चालू कोष (अनुवाद परियोजना) को स्थानान्तरित की गई राशि		३१,१९८	४. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	२,९०५	
		३,४५,७२६			

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		३,४५,७२६	५. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	—	
आय के मुकाबले अतिरिक्त व्यय		८८,२५०	६. आकस्मिक व्यय	१,३१७	६४,९४१
			ख. अनुवाद के लिए अदा किया गया पारिश्रमिक		
योग :		४,३३,९७६	१. अनुवाद अधिकार	६,०००	
			२. अनुवादकों को अदा किया	२,९५,१८४	
			३. पुनरीक्षकों को अदा किया	५४,३४२	
			४. प्रकाशन व्यय	८,११९	३,६३,६४५
			ग. पूंजीगत व्यय		
			१. पुस्तकें	—	
			२. फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर/उपकरण	—	
			घटा: पूंजीगत लेखे पर प्राप्त/ काटी गई राशि	—	—

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		४,३३,९७६	घ. पूंजीगत व्यय का अभिलेखन	६०	६०
			घ. पेशगियां		
			१. एककों को पेशगियां (अनुवाद परियोजना)	—	—
			२. प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	५,३३०	५,३३०
कुल जोड़ :		४,३३,९७६	कुल जोड़ :		४,३३,९७६

ह०—ओ० पी० बतरा	ह०—एम० एल० जुल्का	ह०—बी० आर० ग्रोवर
अधीक्षक (लेखा)	प्रशासन एवं लेखा अधिकारी	निदेशक
२९.६.८१	२९.६.८१	२९.६.८१

१९८०-८१ का प्रोफार्मा लेखा

स्वतन्त्रता की ओर

प्राप्तियां			अदायगियां		
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१. १-४-८० को प्रारम्भिक रोकड़	——		क. १. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन-भत्ते		२,५८,०३४
२. वर्ष १९८०-८१ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	४,००,०००	—	२. चिकित्सा व्यय		५,०६३
३. विविध प्राप्तियां	२,९६५	४,०२,९६५	३. अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन-भत्ते		११,८४४
		४,०२,९६५	४. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान		१,२५३
			५. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश और ब्याज		१९,८६७

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष	—	४,०२,९६५	६. भवन का किराया	३७,९१९	
			७. विविध आकस्मिक	१६,२३४	३,५०,२१४
			ख. १. फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	३,५११	
			२. पुस्तकें	—	३,५११
			ऋण, जमा तथा पेशगियां		
			प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	५५९	५५९
			जोड़ :		३,५४,२८४
			आय के मुकाबले अतिरिक्त व्यय :		
			वर्ष १९७९-८० के दौरान	२७,४२२	२७,४२२
			अन्तिम शेष :	—	२१,२५९
जोड़ :		४,०२,९६५			४,०२,९६५

ह०— ओ० पी० बतरा
अधीक्षक (लेखा)
२९.६.८१

ह०— एम० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
२९.६.८१

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक
२९.६.८१

१९८०-८१ का प्रोफार्मा लेखा

प्रजा मण्डल परियोजना

प्राप्तियां	राशि	राशि	अदायगियां	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१. १-४ ८० को प्रारम्भिक रोकड़	—	—	१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	५१,७३६	
२. वर्ष १९८०-८१ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	१,५०,०००	—	२. चिकित्सा व्यय	१,२४०	
३. विविध प्राप्तियां	८८	१,५०,०८८	३. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा-भत्ते	३,८३९	
			४. विविध आकस्मिक	२,४११	५९,२२६
			वर्ष १९७९-८० के दौरान आय के मुकाबले अतिरिक्त व्यय	८५,५०७	८५,५०७

१	२	३	४	५	६
पिछला शेष		१,५०,०८८	अन्तिम शेष :		५,३५५
जोड़ :		१,५०,०८८	जोड़		१,५०,०८८

ह०–ओ० पी० बतरा
अधीक्षक (लेखा)
२९.६.८१

ह०–एम० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
२९.६.८१

ह०– बी० आर० ग्रोवर
निदेशक
२९.६.८१

१९८०-८१ का प्रोफार्मा लेखा
भारतीय संस्कृति पर स्रोत ग्रन्थ

प्राप्तियां	राशि	राशि	अदायगियां	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१-४-८० को प्रारम्भिक रोकड़		१,०२,३२६	१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	—	
वर्ष १९८०-८१ के दौरान भारत सरकार से सहायक अनुदान		—	२. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा भत्ते	—	
			३. विविध आकस्मिक, भवन किराया सहित	—	
			अन्तिम शेष :		१,०२,३२६
जोड़ :		१,०२,३२६	जोड़		१,०२,३२६

ह०—ओ० पी बतरा
अधीक्षक (लेखा)
२९.६.८१

ह०—एम० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
२९.६.८१

ह०—वी० आर० ग्रोवर.
निदेशक
२९.६.८१

१९८०-८१ वित्त वर्ष के लिए भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के भविष्य निधि लेखे का विवरण

ब्यौरा	अधिदाताओं से वसूल किया गया अंशदान तथा पेशगी की वापसी	अंशदायी भविष्य निधि में अंकलित अनिवार्य जमा संहगाई भत्ता	परिषद के अंशदान	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज	इन्सेन्टिव बोनस	कुल
प्रारम्भिक बकाया	१,५८,९७६	१३,६७६	१,४९,१२१	३८,३७८	—	३,६०,१५१
वर्ष १९८०-८१ के दौरान जमा	१,३१,५६५	—	६९,९५९	३२,३६९	४३६	२,३४,३३०
घटा : वर्ष १९८०-८१ के दौरान दिया गया वर्ष के दौरान निकाली गई राशि						
अस्थाई पेशगियां	६२,४५८	—	—	—	—	६२,४५८
अन्तिम शेष :	२,२८,०८३	१३,६७६	२,१९,०७०	७०,७४७	४३७	५,३२,०२३

विशेष : ३,५०,०००/- रुपयों को राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों में लगाया गया है।

ह०—ओ० पी० बतरा
अधीक्षक (लेखा)
२९.६.८१

ह०—एम ० एल० जुल्का
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
२९.६.८१

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक
२९.६.८१